mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-147 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
29 मई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

धार भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में लगी तीसरी याचिका, हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती

इंदौर, एजेंसी। धार भोजशाला विवाद में अब सुप्रीम कोर्ट में तीसरी याचिका लगी है। सुप्रीम कोर्ट अब भोजशाला से जुड़ी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर सकता है। तीसरी याचिका जिब्रान अंसारी ने प्रस्तुत की है। तीनों याचिकाओं पर अब तक कोर्ट ने सुनवाई शुरू नहीं की है। उधर, हिंदू पक्ष भी सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिकाओं को लेकर तैयारी कर रहा है। पूर्व में ही सुप्रीम कोर्ट में भोजशाला मामले में कैविएट दायर की जा चुकी है, ताकि बिना पक्ष सुने स्टे न मिल सके। भोजशाला को इंदौर हाईकोर्ट ने हिंदू मंदिर माना है। इस फैसले को मुस्लिम पक्ष ने चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका दायर की है। पहले शहर काजी, फिर कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी और अब जिब्रान अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। पिछली याचिकाओं पर अभी तक हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई है। हाईकोर्ट का फैसला आने के छह दिन बाद मुस्लिम पक्ष ने रात साढ़े आठ बजे कोर्ट में याचिका लगाई थी। कमाल मौला मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि हमारे पास सरकारी दस्तावेज और पुख्ता प्रमाण हैं, जिनके आधार पर हम सुप्रीम कोर्ट में साबित करेंगे कि धार का परिसर मंदिर नहीं, मस्जिद है। हाईकोर्ट ने एएसआई की जिस रिपोर्ट में भोजशाला को मंदिर बताया, वही पूर्व की रिपोर्ट में भोजशाला को मस्जिद बताती रही है।

पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित 4 लोगों की जिंदा जलाकर हत्या

अजमेर, एजेंसी। अजमेर में स्कॉर्पियो में पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित 4 लोगों की जिंदा जलाकर हत्या कर दी। घटना शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर बोराड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 5:30 बजे की है। हालांकि पुलिस हादसा या हत्या दोनों एंगल से मामले की जांच में जुटी है।
घटना श्रीरामपुरा गांव में हुई। इसमें पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी, उनकी मां और पूर्व सरपंच पूसी देवी, पत्नी सुरज्ञान देवी और भांजी महिमा की हत्या की गई। तीन शव गाड़ी में पीछे की तरफ थे। सुरज्ञान देवी की अधजली बॉडी खेत में पड़ी थी। सुरज्ञान देवी जिला परिषद मेंबर थीं। बताया जा रहा है कि परिवार कांग्रेस से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, पूसीदेवी के सीने में दर्द हो रहा था। इसलिए रामसिंह उन्हें लेकर हॉस्पिटल जा रहे थे।

पटना-गंगा में 15 लोगों से भरी नाव डूबी, 3 मौतें

- 4 लोग लापता, मरने वालों में बाप बेटे भी,चश्मदीद बोले- तेज हवा से डगमगाई नाव

बाढ़, पटना ,पटना के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। जबकि 4 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे। जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है।

मृतकों की पहचान नीलम कुमारी (30), श्रवण महतो (36) और काशी कुमार (15) के रूप में हुई है। श्रवण और काशी का संबंध पिता-बेटे का है।

घायलों में राहुल कुमार, ममता देवी, कबूतरी कुमारी और 16 साल की एक नाबालिग लड़की शामिल है। बाकी 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है। नाव पर सवार सभी लोग बाढ़ थाना क्षेत्र के मासूमगंज बिंद टोली के निवासी थे।

तेज हवा और अधिक लोड का कारण पलटी नाव :जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह 5:45 बजे बिंद टोली के 14 लोग नाव से समस्तीपुर जिला के सुल्तानपुर दियारा गए थे। बाढ़ से लोग अक्सर सब्जी तोड़ने और खेती के काम उस इलाके में जाते हैं। वापस लौटने के दौरान तेज हवा और क्षमता से अधिक लोड के कारण नाव पलट गई। नाव पर बचाव के उपकरण भी नहीं थे।

अचानक डगमगाने लगी नाव, तेज धार में बहे लोग

नाव पर सवार लोगों ने बताया कि, जैसे ही नाव नदी की बीच धारा में पहुंची, डगमगाने लगी। हमलोग कुछ समझ पाते इतने में नाव नदी में डूब गई। धारा इतनी तेज थी कि कुछ सवारियां तो बह गईं, उन्हें बचाने तक का मौका नहीं मिला। डूबते नाव को देखकर आसपास मौजूद मल्लाहों और स्थानीय गोताखोरों ने गंगा में छलांग लगा दी और 7 लोगों को बचा लिया। इन सबको इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। 5 लोगों के रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ की टीम लगी है।

ट्विशा केस-गिरिबाला की गिरफ्तारी अब कभी भी

- पूछताछ कर रही सीबीआई; 3डी कैमरे से 360 डिग्री एंगल पर घर के विजुअल रिकॉर्ड किए जा रहे

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द कर दी है। हाईकोर्ट ने बुधवार देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने केस डायरी और साक्ष्यों का सही तरीके से परीक्षण नहीं किया। डेडबॉडी पर चोटों के कई निशान थे, जिनका आरोपी पक्ष संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद गुरुवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे गिरिबाला सिंह के घर सीबीआई की टीम पहुंची थी।

समर्थ 29 मई तक सीबीआई रिमांड में

इससे पहले मामले में आरोपी बनाए गए ट्विशा के पति समर्थ सिंह को अदालत में पेश करने के बाद सीबीआई ने अपनी हिरासत में ले लिया है। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेजा है। इसके बाद एजेंसी उससे लगातार पूछताछ कर रही है।

12 मई की रात हुई थी ट्विशा की संदिग्ध हालात में मौत

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध हालात में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। 24 मई को भोपाल AIIMS में दिल्ली AIIMS की टीम ने ट्विशा की डेड बॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। इसके बाद शाम को भदभदा श्मशान घाट में ट्विशा का अंतिम संस्कार किया गया। भाई मेजर हर्षित ने मुखाग्नि दी थी।

इंदौर शहर काजी बोले- गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करें

नमाजियों ने हाथ उठाकर किया समर्थन; बारिश का पानी जमीन में उतारने अपील

इंदौर, एजेंसी। ईद के मौके पर देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। यहां सदर बाजार स्थित ईदगाह में नमाज से ठीक पहले शहर काजी डॉ. इशरत अली ने समाज को सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने खुले मंच से गाय को राष्ट्रीय धरोहर मानने की वकालत की, जिसका वहां मौजूद हजारों नमाजियों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। इसके बाद शांतिपूर्वक ईद की नमाज अदा की गई।

ताकि गाय काटने पर पाबंदी लग जाए: गाय को हमसाया कौम के लोग बड़े एहतराम से देखते हैं। मुसलमानों पर ये इलजाम लगता है कि ये काटकर खाते हैं। अभी कुछ टाइम से मांग उठा रही है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। हम मांग करते हैं कि गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए, ताकि उसके कटने पर पाबंदी लग जा। शहर काजी ने पानी बचाने को लेकर भी अपील की। उन्होंने कहा- बारिश के पानी को जमीन में उतारें, ये न सोचें कि सरकारी करेगी, प्रशासन करेगा। ये सब आते-जाते रहते हैं। हमें आपको सोचना होगा।

मुसलमान ही बेच रहा नशा, इससे बचें : काजी इशरत अली ने एक और बात दमदारी से कहा- नशा बहुत बड़ी चिंता का विषय है। मुसलमान ही नशा बेच रहा है। इसमें औरतें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा- इंदौर में नशे का मुद्दा सबसे पहले मैंने उठाया है।

गुजरात में संक्रमण से 4 शेर शावकों की मौत

बेबेसिया वायरस फैलने की आशंका; 17 शेर आइसोलेशन में रखे; सीएम ने हाईलेवल मीटिंग बुलाई

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के गिर में मंगलवार को संदिग्ध संक्रमण के कारण चार शेर शावकों की मौत हो गई थी। आशंका जताई जा रही है कि इनमें बेबेसिया वायरस का संक्रमण हो सकता है। बेबेसिया वायरस 'टिक्स' (कीड़ों) के जरिए फैलता है और इससे संक्रमित जानवरों में कमजोरी, खांसी और नाक से पानी बहने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

वन विभाग ने 17 वयस्क शेरों को आइसोलेट कर उनकी निगरानी और इलाज शुरू किया है। इस घटनाक्रम के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में हाईलेवल बैठक की।

बैठक में मौजूद वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव विनोद राव ने बताया कि गिर गढ़ड़ा और बाबरिया क्षेत्र के 10वृद्ध दायरे में आने वाले सभी शेरों की गहन निगरानी की जा रही है। अन्य शेरों में बीमारी के लक्षण नहीं मिले हैं।

वन विभाग की ओर से रोजाना रिपोर्ट तैयार की जा रही : वन विभाग अमरेली और भावनगर जिलों के महसूली क्षेत्र में मौजूद शेरों पर भी लगातार नजर रख रहा है। विभाग की ओर से रोजाना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। गर्मी की शुरुआत में फैलने वाली मौसमी बीमारियों को देखते हुए गिर क्षेत्र के 350 से ज्यादा शेरों के लिए डी-टिकिंग (कीड़े हटाने) और दूसरे स्वास्थ्य संबंधी उपाय किए जा रहे हैं।

इस अभियान में जूनागढ़ वेटरनरी कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी शामिल की गई है। वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने मंगलवार को बताया था कि दो शेर शावकों की मौत संदिग्ध बेबेसिया वायरस संक्रमण से हुई है, जबकि तीन अन्य शेरों की मौत प्राकृतिक कारणों और आपसी संघर्ष में हुई। हालांकि उन्होंने गिर में किसी बड़े महामारी या संक्रमण फैलने की आशंका से इनकार किया है।

2018 में गुजरात में 11 शेरों की मौत

इससे पहले 2018 में गुजरात में एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी। तब मौतों की वजह कैनाइन डिस्टेंपर वायरस और प्रोटोजोआ संक्रमण का मिश्रण माना गया था। 2025 गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है।

शिक्षा मंत्री का छात्रों को आश्वासन

कोई भी शिकायत अनसुलझी नहीं छोड़ेंगे', शुरू हुई पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया

नई दिल्ली ➠ एजेंसी

शिक्षा मंत्री ने गुरुवार को सीबीएसई अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। उन्होंने माना कि ओएसएम प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं और कहा 'उसका मैं दायित्व लेता हूं'। प्रधान ने बताया कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और पीएसयू बैंकों की मदद से सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। किसी भी छात्र की शिकायत को अनसुलझा नहीं छोड़ा जाएगा।

सीबीएसई कक्षा 12 परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को सीबीएसई मुख्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पुनर्मूल्यांकन और वेरिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को आ रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक के बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीबीएसई ने कक्षा 12 परीक्षाओं के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस वर्ष करीब 17 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिका कॉपियों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें लगभग 40 करोड़ स्कैन किए गए पन्ने शामिल थे।

पहली बार लागू हुई डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि पहली बार सीबीएसई ने डिजिटल मूल्यांकन यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) प्रणाली लागू की है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और प्रक्रिया को छात्र-केंद्रित बनाना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं देख सकते हैं, अंकों की जांच कर सकते हैं और किसी भी त्रुटि पर सवाल उठा सकते हैं। अब तक लगभग 4 लाख छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाएं एक्सेस कर चुके हैं, जिनमें करीब 11 लाख कॉपियां शामिल हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस पूरी तकनीकी प्रक्रिया की निगरानी के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास जैसी प्रमुख संस्थाओं को शामिल किया गया है। वहीं भुगतान प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए SBI, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे को जोड़ा गया है। धर्मेंद्र प्रधान ने माना कि प्रक्रिया में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं और सरकार इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करती है। उन्होंने कहा, 'पहली बार देश में सीबीएसई ने ओएसएम प्रक्रिया का इस्तेमाल किया। उसमें कुछ विसंगतियां ध्यान में आ रही हैं, जिनका मैं दायित्व लेता हूं, उसको ठीक किया जाएगा, उसका उपाय लिया जाएगा।

यूपी में ब्लास्ट की साजिश रच रहे 4 लड़के अरेस्ट

भाजपा दफ्तर, अस्पताल-स्कूल निशाने पर थे; पाकिस्तानी डॉन ने टारगेट दिया था

सहारनपुर, एजेंसी। यूपी में बुधवार को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के 4 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये भाजपा दफ्तरों, अस्पताल, स्कूल और अन्य कई संवेदनशील ठिकानों पर ब्लास्ट करने की साजिश रच रहे थे। संदिग्ध आतंकियों में 2 सहारनपुर के रहने वाले हैं। जबकि तीसरा हरिद्वार और चौथा मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। चारों को सहारनपुर से पकड़ा गया है। आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के कहने पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट्ट के संपर्क में थे। इंस्टाग्राम पर उनकी शहजाद भट्टी और आबिद जट्ट से बातचीत होती थी। आबिद जट्ट ने उन्हें देश की एक राजनैतिक पार्टी के कार्यालय, अस्पताल और एक व्यक्ति, जिसके कई स्कूल हैं, उनको निशाना बनाकर उड़ाने के लिए, रेकी करने के लिए कहा था।

तनाव

ईरान के बाद ओमान को ट्रम्प की धमकी : कहा

होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं, उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी।

ट्रम्प ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'ईरान को लगा था कि वे मुझे इंतजार करवाकर थका देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब सिर्फ समझौता करना चाहता है।

ईरान-अमेरिका डील का दावा- अमेरिका ने रिपोर्ट को बताया झूठ-

ईरान ने दावा किया कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शुरुआती समझौता ड्राफ्ट तैयार हुआ है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग बहाल करने और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी घटाने का प्रस्ताव शामिल है। व्हाइट हाउस ने ईरानी मीडिया की शांति समझौते वाली रिपोर्ट को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया। अमेरिका ने कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का आधिकारिक ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है।

लेबनान में इजराइली हमले तेज

दक्षिणी लेबनान में इजराइल के ताजा हवाई हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई और 40 घायल हुए। लगातार हमलों के बीच लोगों में दहशत है और बड़े पैमाने पर पलायन जारी है। इजराइल ने गाजा में हवाई हमले में हमास सैन्य शाखा के नए कमांडर मोहम्मद ओदेह को मारने का दावा किया। हमला गाजा सिटी की रिहायशी इमारत पर कई महीनों की निगरानी के बाद किया गया।

12 जून से फरीदाबाद गुरुग्राम के 4 टोल हो सकते हैं फ्री

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद से गुरुग्राम और सोहना हर दिन आने-जाने वाले एक लाख से अधिक लोगों को टोल टैक्स से अगले महीने राहत मिल सकती है। टोल वसूली करने वाली रिलायंस कंपनी का करार 12 जून को पूरा हो रहा है। हालांकि, कंपनी ने करार आगे बरकरार रखने की अनुमति प्रदेश सरकार से मांगी है जो अभी विचाराधीन है। उधर, बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर टोल हटाने की मांग की है। करार आगे न बढ़ाने का भी आग्रह किया है।

दो फरीदाबाद और दो टोल गुरुग्राम में: इस परियोजना का नाम गुरुग्राम फरीदाबाद टोल रोड है। 2009 में इस परियोजना के तहत रिलायंस इंफ्रा कंपनी ने फरीदाबाद से गुरुग्राम और बल्लभगढ़ से सोहना तक सड़क बनाई गई थी।

2012 में यह काम पूरा हुआ जो रिलायंस कंपनी गुरुग्राम के बंधवाड़ी और नूंहेरा में और फरीदाबाद के पाखल और

पॉली क्रेशर जोन में चार टोल लगाकर वसूली करने लगी। परियोजना के तहत बनी सड़क के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी इसी कंपनी की है।

अब मियांद हो रही है पूरी: वसूली करने का समय 31 मई 2026 तक तय किया गया था।

लेकिन कंपनी ने कई कारण गिनाते हुए 12 जून तक इसे बढ़ाने के लिए कहा, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इतना ही नहीं अब कंपनी वसूली की समय-सीमा और बढ़ाने के लिए सरकार से आग्रह कर रही है। हालांकि लोक निर्माण विभाग ने इसका विरोध किया है और यह समय-सीमा न बढ़ाने की सिफारिश की है।

'अक्सर गुरुग्राम व सोहना आना-जाना होता है। टोल टैक्स देने के बावजूद वाहनों की लंबी लाइन में लगना पड़ता है। जब समय-सीमा खत्म हो गई है तो टोल भी हटना चाहिए। इससे हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी। फरीदाबाद के हजारों लोगों की रिश्तेदारी गुरुग्राम व सोहना में हैं। यहां से लोग नौकरी के लिए भी बड़ी संख्या में जाते हैं। इसलिए अब टोल हटना चाहिए। इससे लोगों की जेब पर बोझ कम होगा।

इस टोल प्लाजा की निर्धारित समय सीमा पूरी होने वाली है। ऐसे में यदि सरकार इसे आगे न बढ़ाकर बंद कर देती है तो यह जनहित में बेहद सराहनीय कदम होगा। इसे आगे चलाना जनता पर अनावश्यक बोझ डालने जैसा होगा। फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग सबसे व्यस्त रूट है। पीक आवर्स में टोल वसूली के चक्कर में जाम लग जाता है। इससे लोगों का समय तो बर्बाद होता ही है, साथ ही ईंधन भी फिजूल खर्च होता है।

कर्नाटक खेत में आकाशीय बिजली गिरने से टेक इंजीनियर की मौत, आधुनिक खेती के लिए छोड़ी थी नौकरी

चेन्नई, एजेंसी। कर्नाटक के मैसूर जिले में आकाशीय बिजली ने मंगलवार और बुधवार को भारी तबाही मचाई। अलग-अलग घटनाओं में कोडागु के एक युवक समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। वहीं, बिजली गिरने से एक गाय की भी जान चली गई। इन घटनाओं के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, कोडागु निवासी होसोकलु रोशन बालकृष्ण की मंगलवार को मैसूर के पास येलवाला में बिजली गिरने से मौत हो गई। रोशन मडिकेरी के पास हेरावनद गांव के रहने वाले थे और स्वर्गीय होसोकलु बालकृष्ण के बेटे थे। वह पेशे से IT कर्मचारी थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद वह अपने एक सहकर्मी के साथ मिलकर खेती-बाड़ी से जुड़े कामों में जुटे हुए थे।

मैसूर में आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही: बताया गया है कि दोनों आधुनिक कृषि उपकरणों को किसानों तक पहुंचाने और उनकी मार्केटिंग का काम कर रहे थे। रोशन अपनी पत्नी और बेटे के साथ येलवाला के पास अपनी जमीन देखने पहुंचे थे। इसी दौरान वह आम तोड़ने के लिए गए थे, तभी अचानक उन पर बिजली गिर गई। बिजली गिरते ही वह मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। घटना के समय उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया, हालांकि उसे गंभीर चोटें नहीं आईं। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। रोशन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव हेरावनद में किया गया। अपने पीछे वह पत्नी और एक बेटे को छोड़ गए हैं। इसी तरह की एक अन्य घटना बुधवार को मैसूर में सामने आई, जहां बिजली गिरने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

गाजियाबाद में 67 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, सरकार से मिलेगी आर्थिक मदद

गाजियाबाद, एजेंसी। शासन के निर्देश पर जिले की 67 हजार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, इसके लिए उनको राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है, महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक करने के लिए उनको सिलाई कढ़ाई से लेकर मोबाइल रिपेयरिंग, खेती करने, बैंकिंग कार्य करने, मिट्टी के बर्तन बनाने, गिफ्ट आइटम बनाने, फैंसी ड्रेस तैयार करने सहित अन्य कार्य कने के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाता है। प्रशिक्षण देने के बाद सरकार की ओर से महिला स्वयं सहायता समूह को कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक रूप से सहायता भी दी जाती है, कम ब्याज दर पर बैंक से लोन दिलाया जाता है। वर्तमान में 2,400 महिला स्वयं सहायता समूह हैं। वित्तीय वर्ष 2026 - 27 में सरकार ने जिले में 6,700 नए महिला स्वयं सहायता समूह बनाने के निर्देश दिए हैं। एक महिला स्वयं सहायता समूह में न्यूनतम दस महिलाएं शामिल होती हैं, ऐसे 67 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 6,700 महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जाएगा। इसके लिए ग्राम प्रधानों, सचिवों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जाएगा, ग्रामीण क्षेत्र में एनआरएलएम द्वारा जागरूकता शिविर भी लगाए जाएंगे। जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कई महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है।

बंगाल से घुसपैठियों का पलायन एक से दस साल तक जमे बांग्लादेशी नागरिक देश छोड़ने को मजबूर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर स्थित हाकिमपुर चेकपोस्ट बार्डर पर पिछले दो दिनों से सीमा की ओर बढ़ते चेहरों में घबराहट है। जेल नहीं जाने के डर से घुसपैठिए परिवार सहित बंगाल छोड़ रहे हैं। सीमा की ओर जाते बच्चों की आंखों में अनिश्चितता और महिलाओं के हाथों में जल्दबाजी में बांधे गए कपड़ों के छोटे-छोटे बैग और प्लास्टिक की थैलियां दिखाई देती हैं। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद घुसपैठ और फर्जी दस्तावेजों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई की चर्चाओं ने उन परिवारों में भय पैदा कर दिया है, जो वर्षों से कोलकाता, बारासात, दमदम,

हावड़ा और आसपास के इलाकों में रह रहे थे। घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनने के बाद से अवैध रूप से रहने वाले लोग आतंकित हैं। सूत्रों के मुताबिक घुसपैठिए पुष्टि होने के बाद उन्हें सीमा पार (पुश बैक) भेज दिया जा रहा है। इससे पहले एसआईआर और देश के अन्य राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान ऐसी स्थिति दिखी थीं। दिलचस्प यह है कि इन चेहरों में सिर्फ डर नहीं, पछतावा भी दिखता है। कुछ लोग वर्षों से बंगाल में दैनिक कार्य का हिस्सा बन चुके थे। रिक्शा चलाने वाले, निर्माण मजदूर, घरेलू सहायिका और छोटे कारखानों में काम करने वाले इन लोगों ने शहरों के भीतर अपनी छोटी दुनिया बना ली थी। सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के अनुसार, देर रात से लेकर सुबह तक छोटे-छोटे समूहों में लोग पहुंच रहे हैं। 28 वर्षीय नसीम मोल्ला ने बताया कि वह कोलकाता के एक चमड़ा कारखाने में काम करता था। पहले लगा कि सिर्फ कागज चेक होंगे, लेकिन अब फैक्ट्री मालिक भी कह रहा है कि कुछ दिन गायब हो जाओ। हम गरीब लोग हैं, जेल नहीं जाना चाहते। सीमा से लगे गांवों में रहने वाले लोगों का कहना है कि पिछले एक साल में यह दूसरा मौका है जब अचानक बड़ी संख्या में लोग सीमा की ओर लौटते दिखाई दे रहे हैं।

संदेशखाली में सात साल बाद बड़ा एक्शन,तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के मामल में 10 आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में 2019 के लोकसभा चुनाव बाद हुई हिंसा में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में सीबीआइ ने 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पूर्व टीएमसी नेता शेख शाहजहां का करीबी कादेर मोल्ला भी शामिल है। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से जुटाए गए सुबूतों, गवाहों के बयान और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी अभियान चलाया गया। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद आठ जून को संदेशखाली में हुई हिंसा में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की गोली मारकर और धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। यह घटना झंडा हटाने को लेकर हुए विवाद के बाद घटी थी। शुरुआत में मामले की जांच सीआईडी कर रही थी, लेकिन बाद में जांच रिपोर्ट और चार्जशीट से शेख शाहजहां समेत 28 लोगों के नाम हटा दिए गए थे। इसके बाद मृतकों के स्वजन ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया और सीबीआई जांच की मांग की। कोर्ट के आदेश के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी गई, सीबीआई ने जांच तेज करते हुए यह गिरफ्तारी की है।

अपनी जान पर खेल गया दिल्ली पुलिस का हवलदार, आग में फंसे दंपती और 11 ब्लाइंड छात्रों समेत 13 लोगों को बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में लगी भीषण आग के बीच दिल्ली पुलिस के एक हवलदार ने 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जिंदगी बचा ली थी। धुएं और आग की लपटों से घिरी इमारत में फंसे दंपती को बचाने के साथ ही हवलदार ने पास के हॉस्टल में रह रहे 11 दृष्टिबाधित छात्रों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। पुलिस अधिकारियों ने हवलदार की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, घटना 17 मई की रात करीब ढाई बजे बुराड़ी थाना क्षेत्र के दरोगा मार्केट में हुई थी। आग तेजी से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने लगी और पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया। उसी दौरान बुराड़ी थाने में तैनात हवलदार अमर सिंह इलाके में गश्त कर रहे थे। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचे। आग लगने वाली इमारत की दूसरी मंजिल पर रवि यादव और उनकी पत्नी सुप्रिया यादव फंसे हुए थे। आग और धुएं के कारण सीढ़ियों का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था। दोनों बालकनी से मदद के लिए आवाज लगा रहे थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए हवलदार अमर सिंह ने सड़क से गुजर रहे एक ट्रक को रुकवाया। वह ट्रक की छत पर चढ़े और वहां से बालकनी तक पहुंचकर पहले महिला और फिर उसके पति को सुरक्षित नीचे उतारा। दोनों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के दौरान अमर सिंह ने उन्हें अपने कंधे का सहारा दिया।

हॉस्टल से दृष्टिबाधित छात्रों को भी निकाला: इस बीच उन्हें पता चला कि आग वाली इमारत से सटी बिल्डिंग में दृष्टिबाधित छात्रों का एक हॉस्टल भी है, जहां 11 छात्र मौजूद हैं।

ईद उल अजहा पर नोएडा में कड़ा पहरा, चप्पे चप्पे पर पुलिस फोर्स रही तैनात; तीन जोन में पैदल मार्च

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में ईद-उल-अजहा पर बृहस्पतिवार को बम और डॉग स्क्वॉड संग पुलिस ने तीनों जोन में पैदल मार्च किया। मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। पूरे जिले में पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने तीनों जोन नोएडा, सेन्ट्रल नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में सुबह से भ्रमण किया। स्थानीय नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्यौहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के साथ मनाने की अपील की। डीसीपी व एडीसीपी, एसीपी ने भी अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाली मस्जिदों के आसपास निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। टीम ने निठारी मस्जिद, जामा मस्जिद, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में फ्लैग मार्च एवं फुट पेट्रोलिंग भी की। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। कार्यवाही हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

अफवाह न फैलाए, पुलिस को दें सूचना: पुलिस अधिकारियों ने आमजन को सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा न करने, अफवाहों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। जिससे त्यौहार के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी एवं मजबूत बनी रहे।

यूरोप की बड़ी रणनीतिक बैठक में पहुंचे जयशंकर साइप्रस में वैश्विक मुद्दों पर होगी अहम चर्चा

निकोसिया, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को साइप्रस पहुंचे, जहां वह यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की अहम अनौपचारिक बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में यूरोप और दुनिया के सामने खड़ी बड़ी भू-राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव, ऊर्जा संकट और वैश्विक व्यापार को लेकर कई देशों की चिंता बढ़ी हुई है। भारत की मौजूदगी को भी इस बैठक में खास महत्व दिया जा रहा है।

जिमनिख बैठक इतनी अहम क्यों मानी जाती है: यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की यह अनौपचारिक बैठक 'जिमनिख' नाम से जानी जाती है। इसमें सदस्य देशों के विदेश मंत्री और साझेदार देश वैश्विक हालात पर खुलकर चर्चा करते हैं। बैठक में सुरक्षा, रणनीतिक साझेदारी, आर्थिक चुनौतियां और अंतरराष्ट्रीय संकट जैसे मुद्दे शामिल रहते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि वह इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए साइप्रस पहुंचे हैं। उन्होंने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख और साइप्रस के विदेश मंत्री को निमंत्रण के लिए धन्यवाद भी दिया।

इस बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है: विशेषज्ञों के मुताबिक, बैठक में पश्चिम एशिया संकट, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और यूरोप की रणनीतिक चुनौतियों पर चर्चा हो सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप पहले से ही आर्थिक और सुरक्षा दबाव झेल रहा है। वहीं होर्मुज जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजार की चिंता और बढ़ा दी है। ऐसे में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग को भी अहम माना जा रहा है। भारत आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और कई वैश्विक मुद्दों पर उसकी भूमिका मजबूत हुई है। यूरोप भी भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता जैसे मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग बढ़ सकता है। जयशंकर की मौजूदगी इसी दिशा में अहम मानी जा रही है।

ईरान के यूरेनियम भंडार पर ट्रंप का बड़ा बयान बोले- इसे रूस या चीन को सौंपना मंजूर नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस बात से सहज नहीं हैं कि ईरान के उच्च स्तर पर समृद्ध यूरेनियम भंडार को रूस या चीन अपने कब्जे में लें। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज है। रूस और चीन को ईरान का करीबी सहयोगी माना जाता है।

किसी तीसरे देश को यूरेनियम सौंप सकता है ईरान: परमाणु मामलों के विशेषज्ञों का मानना था कि किसी संभावित समझौते के तहत ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम को किसी तीसरे देश को सौंप सकता है और इस भूमिका के लिए रूस या चीन विकल्प हो सकते हैं। हालांकि ट्रंप ने साफ कर दिया कि वह इस व्यवस्था को लेकर सहज महसूस नहीं करते।

अमेरिका को दें या वहीं नष्ट करें यूरेनियम- ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा था कि ईरान का यूरेनियम या तो अमेरिका को सौंपा जाएगा या फिर उसे वहीं नष्ट किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसियों की निगरानी में हो सकती है। बताया जा रहा है कि ईरान का यह यूरेनियम उन परमाणु स्थलों के नीचे दबा हो सकता है, जिन्हें पिछले साल अमेरिकी हवाई हमलों में निशाना बनाया गया था।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है।

भारत और चीन की सीमाएं संवेदनशील बनी रहेंगी: रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा। रिपोर्ट में भारत की स्थिति को 'न युद्ध, न शांति' वाली हाइब्रिड चुनौती बताया गया है, जिसमें चीन और पाकिस्तान दोनों शामिल हैं।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।

इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या हैं ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध: ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है।

इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति: ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर: लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई।

35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण का समापन, 26 प्रशिक्षणार्थियों को मिला स्वरोजगार का मार्ग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी में आयोजित 35 दिवसीय 'जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर लघु उद्यमी' प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की 26 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर ब्यूटी एवं स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त किया कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर संचालन, हेयर कटिंग, स्किन केयर, मेकअप तकनीक, फेशियल, थ्रेडिंग तथा ग्राहक व्यवहार जैसे विषयों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर अपने कौशल को विकसित किया समापन अवसर पर आरसेटी निदेशक शिवेन्द्र कुमार चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशिक्षणार्थी पूरी मेहनत और लगन से कार्य करें तो वे स्वयं का सफल व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं उन्होंने बैंकिंग प्रक्रिया और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, स्वरोजगार योजनाओं और महिला उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में रीवा से आए असेसर पियूष त्रिवेदी एवं बकरीददुन निशा ने प्रशिक्षणार्थियों के कौशल का मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संकाय सदस्य मती रेनू सिंह, संतोष कुमार साहू, मती रानी साकेत सहित आरसेटी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा आरसेटी सीधी द्वारा आगामी समय में भी कई रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। संस्थान द्वारा पापड़, अचार एवं मसाला निर्माण, जूट बैग निर्माण, ब्यूटी पार्लर, इलेक्ट्रिशियन, मोबाइल रिपेयरिंग तथा कंप्यूटर अकाउंटिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है संस्थान ने 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के जरूरतमंद बेरोजगार महिला एवं पुरुषों से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आवेदन करने की अपील की है। इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 9685434071 एवं 9685450688 पर संपर्क कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन एवं आवासीय सुविधा संस्थान द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें आरसेटी द्वारा संचालित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में स्वरोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से युवतियों को मिलेगा पुलिस सेवा में जाने का सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की युवतियों एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही युवतियों के लिए महिला सशक्त वाहिनी कक्षाओं का संचालन किया जाएगा जिसमें लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगाजिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना का उपयोग करते हुए कमांडेंट होमगार्ड द्वारा शारीरिक प्रवीणता का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित कक्षाएं संचालित की जाएंगी। ोजना के प्रथम बैच में 45 से 50 बालिकाओं एवं युवतियों का चयन किया जाएगा। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा न्यूनतम लंबाई 155 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। अनारक्षित वर्ग की युवतियों के लिए आयु सीमा 18 से 30 वर्ष एवं आरक्षित वर्ग के लिए 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक युवतियां 1 जून 2026 से 8 जून 2026 तक कार्यालयीन कार्य दिवसों में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सीधी कार्यालय से आवेदन प्रारूप प्राप्त कर आवेदन जमा कर सकती हैं यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो 50 प्रश्नों की स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया शासन के आरक्षण नियमों के अनुसार श्रेणीवार संपन्न होगी। चयनित प्रतिभागियों को तीन माह तक प्रतिदिन दो घंटे ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले की युवतियों से इस अवसर का लाभ उठाकर पुलिस सेवा में करियर बनाने एवं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है।

सूचना के 14 घंटे बाद भी नहीं पहुंची फायर बिग्रेड :सीधी में आदिवासी का घर जला, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप; बाहर गया था परिवार

सीधी2 घंटे पहले

सीधी जिले के चुरहट थाना क्षेत्र के मवई गांव में बुधवार देर रात मंगलेश कोल के घर में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि घर में रखा अनाज, कपड़े, नकदी और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया नुकसान में गेहूं, सरसों, उड़द, दाल और स्प्रिंकलर पाइप सहित लाखों रुपए की संपत्ति शामिल है परिवार घर से बाहर था ग्रामीणों ने खुद बुझाई आग घटना के समय मंगलेश कोल अपने परिवार के साथ गांव के शिव मंदिर दर्शन के लिए गए हुए थे। ग्रामीणों के अनुसार यदि परिवार घर में मौजूद होता तो जनहानि भी हो सकती थी। लौटने पर उन्होंने देखा कि घर पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका था। गांव में पानी के किसी स्थायी स्रोत की कमी के कारण ग्रामीणों ने बाल्टी और अन्य साधनों से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। कई घंटों की मशक्कत के बाद दोपहर करीब 3 बजे आग पर काबू पाया जा सका फायर ब्रिगेड पर 14 घंटे बाद भी न पहुंचना का आरोप ग्रामीणों और समाजसेवी प्रकाश सिंह बघेल ने आरोप लगाया कि बार-बार सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंची। उनका कहना है कि समय पर मदद मिलती तो गरीब आदिवासी परिवार का घर बचाया जा सकता था। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद भी कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। केवल पटवारी ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है सूचना देने के 14 घंटे बाद भी फायर बिग्रेड मौके पर नहीं पहुंची सूचना देने के 14 घंटे बाद भी फायर बिग्रेड मौके पर नहीं पहुंची तहसीलदार बोले- पटवारी को मौके पर भेजा है तहसीलदार चुरहट साक्षी गौतम ने बताया कि सूचना मिलने पर पटवारी को मौके पर भेजा गया था। उन्होंने कहा कि प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आजीविका मिशन के आईएसओ प्रमाणित प्रशिक्षण केंद्र बनेंगे सामुदायिक प्रशिक्षणों के सशक्त माध्यम

महिला आधारित संस्थाओं को मिलेगा बढ़ावा, विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध होंगी आधुनिक सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में समुदाय आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आजीविका मिशन जिला सीधी के अंतर्गत संचालित आईएसओ प्रमाणित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्रों का उपयोग प्राथमिकता से किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ये प्रशिक्षण केंद्र महिला आधारित परिसंघों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं जो आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराते हैं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मिशन संचालक, जिला पंचायत सीधी ने बताया कि इन प्रशिक्षण केंद्रों में आवासीय प्रशिक्षण की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यहां एक समय में 30 से 35 महिला प्रतिभागियों के लिए आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा सकता है प्रशिक्षण केंद्रों में भोजन आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं

उन्होंने बताया कि निर्धारित दरों के अनुसार आवासीय प्रशिक्षण हेतु 534 रुपये प्रति प्रतिभागी प्रतिदिन तथा गैर-आवासीय प्रशिक्षण हेतु 294 रुपये प्रति प्रतिभागी प्रतिदिन की दर तय की गई है

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों से अपील की है कि उनके विभागों द्वारा आयोजित समुदाय आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आजीविका मिशन के इन प्रशिक्षण केंद्रों में प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। इससे एक ओर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा, वहीं दूसरी ओर महिला आधारित संस्थाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में भी सहायता मिलेगी प्रशिक्षण केंद्रों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला इकाई सीधी में सहायक जिला प्रबंधक (सामुदायिक प्रशिक्षण) प्रशांत कुमार मिश्रा से मोबाइल नंबर 8827307813 पर तथा एकता सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र, सीधी के लिए प्रभारी विकासखंड प्रबंधक अशोक पाण्डेय से मोबाइल नंबर 9826454486 पर संपर्क किया जा सकता है।

'विकसित सीधी 2047 - चुनौतियां' कार्यक्रम की शुरुआत मझौली ब्लॉक के सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरौला से

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरौला में 29 मई 2026 को सायं 6 बजे विकसित सीधी 2047 चुनौतियां कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम विधायक धौहनी विधानसभा क्षेत्र कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सीधी जिले की भूमिका, आवश्यकताओ योजनाओं और रणनीतियों पर युवाओं और विद्यार्थियों के विचारों को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को अपने सुझाव और नवोन्मेषी विचार साझा करने का अवसर मिलेगाठ्ठ कार्यक्रम में मझौली एवं कुसमी विकासखंड के प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशेष आमंत्रण दिया गया है। ये छात्र अपने अनुभव, उपलब्धियां और भविष्य की योजनाओं के बारे में विचार प्रस्तुत करेंगे यह मंच उन्हें न केवल सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर देगा बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी बढ़ाएगा साथ ही कार्यक्रम में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा इस अवसर पर उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिन्ह प्रदान किए जाएंगे विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल शैक्षणिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और रणनीतिक सोच के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है उन्होंने अभिभावकों शिक्षकों और स्थानीय युवाओं से अपील की कि वे इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर छात्रों के विचारों और प्रयासों को प्रोत्साहित करें।'विकसित सीधी 2047 - चुनौतियां कार्यक्रम के माध्यम से जिले के युवाओं और विद्यार्थियों को आने वाले भविष्य की चुनौतियों और विकास की दिशा में सोचने सीखने और योगदान देने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं का आंदोलन लगातार जारी है। पिछले पांच वर्षों से जिले के विद्यार्थी उच्च शिक्षा सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय स्तर पर विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर विभिन्न माध्यमों से अपनी आवाज उठाते आ रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार 29 मई को प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर सीधी को ज्ञापन सौंपा जाएगा जानकारी के अनुसार यह ज्ञापन छात्र प्रतिनिधियों एवं युवाओं द्वारा सामूहिक रूप से सौंपा जाएगा। छात्र नेता इन्द्रलाल पटेल ने जिले के सभी छात्र-छात्राओं और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सीधी जिले के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है जिससे आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना होने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी ज्ञापन कार्यक्रम के पूर्व सभी छात्र एवं युवा शाम 4:30 बजे कॉफी हाउस सीधी के पास एकत्रित होंगे। इसके बाद सभी लोग एकजुट होकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे छात्रों का कहना है कि लंबे समय से जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग लंबित है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। विद्यार्थियों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि जिले के शैक्षणिक विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द विश्वविद्यालय स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए छात्र संगठनों और युवाओं ने इसे जिले के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए सभी नागरिकों से भी सहयोग और समर्थन की अपील की है।

आजीविका मिशन का संकल्प - हर महिला बने आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सीधी के विकासखण्ड सीधी द्वारा संचालित एकीकृत कृषि क्लस्टर क्रमांक-01 अंतर्गत ग्राम बढ़ोरा एवं कुबरी में बैकयार्ड योजना के तहत कुक्कुट इकाई हेतु निशुल्क 1100 चूजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ इस पहल के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी भूमिहीन हरिजन एवं आदिवासी महिला सदस्यों को आजीविका से जोड़ने का प्रयास किया गया, ताकि वे स्वरोजगार अपनाकर अपने परिवार की आय में वृद्धि कर सकें। मिशन द्वारा अभिशरण के माध्यम से संचालित इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के स्थायी साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को कुक्कुट पालन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही चूजों की देखभाल, पोषण एवं स्वास्थ्य प्रबंधन के विषय में भी महिलाओं को जागरूक किया गया। महिलाओं ने योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि कुक्कुट पालन उनके लिए आय बढ़ाने का सरल एवं प्रभावी माध्यम बनेगा मध्य प्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। मिशन का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनआरएलएम से सीएलएफ नोडल मनोज कुमार मिश्रा, आईएफएसी एंकर विजय जायसवाल, वरिष्ठ सीआरपी सोनाकली प्रजापति एवं अनीता साकेत, सावित्री साकेत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विशेष शिक्षण समर कैंप में द्वितीय दिवस पर आयोजित हुई ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रीष्म अवकाश के अवसर पर मॉडल स्कूल मझौली में चल रहे विशेष शिक्षण समर कैंप के द्वितीय दिवस पर छात्र-छात्राओं के जीवन कौशल और रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 'पृथ्वी बचाओ, जल बचाओ एवं स्वच्छता' विषय पर ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड समन्वयक अयोध्या प्रसाद पटेल, नोडल अधिकारी एवं मॉडल स्कूल की प्राचार्य मती इंदिरा कचेर, बीएसी कमलाकर सिंह, जन शिक्षक पदमधर द्विवेदी और संतोष कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर रचनात्मक चित्र बनाए। बच्चों ने अपनी कल्पना और सृजनात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समर कैंप के दौरान आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सामाजिक जागरूकता, टीम भावना और जीवन कौशल को विकसित करना है कलेक्टर के निर्देशानुसार 27 मई से प्रारंभ हुआ यह विशेष समर कैंप 31 मई तक संचालित किया जाएगा। कैंप में प्रतिदिन विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से बच्चों को न केवल शिक्षा में रुचि बढ़ाने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है समर कैंप में विजय पाल कोरी, सनत तिवारी, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, आराधना गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता, संदीप नामदेव, जग्गू यादव, मनोज कुमार वर्मा, राजेश्वर सिंह, कमलेश्वर सिंह, संतोष सिंह, ज्ञानी नामदेव सहित अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और उन्हें प्रेरित किया। प्राचार्य मती इंदिरा कचेर ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों में रचनात्मक सोच, पर्यावरणीय जागरूकता और सामाजिक दायित्व के प्रति समझ विकसित करने में सहायक होते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

युवाओं के लिए सुनहरा मौका रू 29 मई को संयुक्त रोजगार मेले में 200 से अधिक पदों पर होगी भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का बड़ा अवसर 29 मई 2026 को मिलने जा रहा है। राज्य शासन के युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में संयुक्त रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जहां देश एवं प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियां 200 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती करेंगी महाविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी, ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी तथा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह रोजगार मेला प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य केवल नौकरी उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार एवं स्टार्टअप के प्रति भी प्रेरित करना है। मेले में विभिन्न कंपनियों के एचआर प्रतिनिधि मौके पर ही साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन करेंगे, जिससे युवाओं को सीधे रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में मशीन ऑपरेटर, लेखापाल, टीम लीडर, एचआर, सेल्स, बीपीओ, टेक्नीशियन (फिटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, कोपा), पैकर-लोडर एवं मार्केटिंग सहित अनेक पदों पर आकर्षक वेतनमान के साथ नियुक्तियां की जाएंगी।18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी, जिन्होंने हाईस्कूल से स्नातकोत्तर तक किसी भी विषय में शिक्षा प्राप्त की हो, रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग जैसी तकनीकी योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए भी विशेष अवसर उपलब्ध रहेंगे।

एसआईआर पर मुहर

संपादकीय

विपक्षी दलों को इस पर खासी आपत्ति थी कि एसआइआर के तहत लोगों की नागरिकता की परख की जा रही है, जबकि चुनाव आयोग को ऐसा करने का अधिकार ही नहीं।

अंततः सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की चुनाव आयोग की प्रक्रिया को न केवल वैध करार दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए ऐसा किया जाना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश उन विपक्षी नेताओं के लिए एक बड़ा झटका है, जो यह दुष्प्रचार करने में लगे हुए थे कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर एसआइआर के नाम पर मनमानी करने में लगा हुआ है। इस आदेश ने यह स्पष्ट किया कि झूठ के पैर नहीं होते और दुष्प्रचार के जरिये किसी वैध प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। इस पर हैरानी नहीं कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से असहमत लोग निराशा व्यक्त कर रहे हैं।

यह उनकी कुंठा के अतिरिक्त और कुछ नहीं, क्योंकि निष्पक्ष चुनावों की पहली शर्त ही यह है कि वैध मतदाता ही वोट डालें। कोई व्यक्ति वैध मतदाता है या नहीं, इसके निर्धारण के लिए आवश्यक छानबीन करना चुनाव आयोग का अधिकार है। यह विचित्र है कि कुछ विपक्षी दल चुनाव आयोग के इसी अधिकार को चुनौती देने के लिए ऐसे मनगढ़ंत आरोप लगा रहे थे कि आयोग एसआइआर के बहाने उनके समर्थकों के वोट काटने का काम कर रहा है। ऐसे आरोप लगाने वालों ने यह स्पष्ट करने की जहमत कभी नहीं उठाई कि आखिर उन्हें कैसे पता चला कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, वे उनके वोटर हैं?

बिहार में एसआइआर के दौरान जब करीब 65 लाख ऐसे नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जो अन्यत्र बस गए थे या फिर जिनकी मृत्यु हो गई थी अथवा जिनके नाम दो जगह दर्ज थे तो यह शोर मचाया गया कि वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, पर यह शोर मचाने वाले ऐसे 65 लोगों को भी नहीं जुटा सके। बिहार विधानसभा चुनावों में एसआइआर के कोई मुद्दा न बन पाने के बाद विपक्षी दलों और खासकर वोट चोरी का जुमला उछाल रही कांग्रेस को यह समझ आ जाना चाहिए था कि वह हारी हुई लड़ाई लड़ रही है, लेकिन न उसने दीवार पर लिखी इबारत पढ़ी और न ही अन्य विपक्षी दलों ने। विपक्षी दलों को इस पर खासी आपत्ति थी कि एसआइआर के तहत लोगों की नागरिकता की परख की जा रही है, जबकि चुनाव आयोग को ऐसा करने का अधिकार ही नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि चुनाव आयोग किसी का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के क्रम में उसकी नागरिकता की जांच कर सकता है।

तकनीक के युग में मजदूर अब भी मौत के मुहाने पर: व्यवस्था की असफलता

सुनील कुमार महला

मध्य प्रदेश और ओडिशा में हुए दो दर्दनाक हादसों ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमारे देश में आज भी गरीब और मजदूर वर्ग की सुरक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। हाल ही में मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के बीहरपुवा गांव में कुआं खोदते समय मिट्टी धंसने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं ओडिशा के कालाहांडी में सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस के कारण छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये दोनों हादसे केवल दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की लापरवाही और असंवेदनशीलता का परिणाम हैं।हम सब यह जानते हैं कि आज विज्ञान और तकनीक का दौर है। बड़े-बड़े निर्माण कार्य और खतरनाक सफाई के काम मशीनों से किए जा सकते हैं। इसके बावजूद आज भी गरीब मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर ऐसे काम करने को मजबूर हैं। यदि कुएं की खुदाई और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के माध्यम से की जाती, तो शायद इतनी जानें नहीं जातीं।

बहरहाल, यहां यह कहना भी ग़लत नहीं होगा कि यह घटना देश में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को भी सामने लाती है। आज भी कई गांवों और शहरों में लोगों को साफ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और हैंडपंप सूख चुके हैं। ऐसे में, मजबूरी में लोगों को गहरे कुएं और तालाबों पर निर्भर रहना पड़ता है। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसी तस्वीरें दिखाई देती हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चियां अपनी जान जोखिम में डालकर गहरे कुंडों में उतरकर पानी भरती नजर आती हैं। अब यहां सवाल यह उठता है कि क्या यह स्थिति आधुनिक भारत के लिए चिंता का विषय नहीं है ?

आधुनिक दौर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई का काम भी आज तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं बन पाया है। सरकार द्वारा संसद में दिए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों सफाईकर्मियों की मौत जहरीली गैस के कारण हो चुकी है। वास्तव में, यह साफ दर्शाता है कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम अब भी नहीं किए गए हैं। निस्संदेह, सरकार स्मार्ट सिटी और आधुनिक विकास योजनाओं पर काम कर रही है, लेकिन किसी भी सरकार का सबसे पहला कर्तव्य अपने नागरिकों को भोजन, साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है। यदि लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो विकास अधूरा ही कहा जा सकता है।सबसे दुखद बात तो यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, मुआवजे की घोषणा होती है और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है। जिम्मेदार अधिकारियों पर अक्सर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। वास्तव में, यदि लापरवाही करने वालों को समय पर सख्त से सख्त सजा मिले और सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तभी ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

अंत में यही कहूंगा कि आज जरूरत इस बात की है कि जल संरक्षण और सफाई से जुड़े सभी कार्य पूरी संवेदनशीलता और आधुनिक तकनीक के साथ किए जाएं। सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी तरह मशीनी बनाई जाए तथा मजदूरों को उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।तभी हम ऐसा अच्छा, सुरक्षित और संवेदनशील समाज बना पाएंगे, जहां अमीर-गरीब का भेद किए बिना हर इंसान की जान को समान महत्व दिया जाए और किसी को भी लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

द(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तंदूर सी तपिश से झुलस रहे हैं भारत के 70 शहर

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे अधिक तापमान वाले शहरों में सत्तर शहर भारत के वरियता बनाए हैं। आधे से ज्यादा हिन्दुस्तान तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, यूपी के बांदा में अधिकतम तापमान 48.2एतक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि प्रयागराज वाराणसी मिर्जापुर भी आग उगल रहे हैं उधर महाराष्ट्र के वर्धा में भी पारा 47.1ए के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1ए तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है। तेलंगाना के हैदराबाद करीमनगर खममन की दिनों से हीटबेव में जल रहे हैं मध्यप्रदेश के खजुराहो नौगांव टीकमगढ़ छतरपुर पन्ना सतना सभी का तापमान 45 के पार जा रहा है बिहार के 13 और हरियाणा के 11 जिले भी 42-45 तापमान में झुलस रहें हैं। देश भर में मौजूदा हीटबेव में उत्तर प्रदेश में वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव (लू) के कारण गैर आधिकारिक आंकड़ा 150 लोगों की जान जा चुकी है । हालांकि, हाल ही में राज्य में आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने जैसी मौसम की चरम घटनाओं के कारण 111 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है।हीटवेव के प्रकोप के कारण आंध्र प्रदेश में 21 और तेलंगाना में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है देश में करीब तीन सौ लोगों की जान लू भीषण गर्मी ले चुकी है हालांकि अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। सबसे अधिक खतरा नवजात शिशुओं, बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, क्रोनिक बीमार लोगों, कामगारों , किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से दो जून तक नौतपा शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा देते हैं बाल श्रमिक

बाल श्रमिक किसी भी मुल्क के लिए अभिशाप कहे जा सकते हैं, क्योंकि इससे न केवल बाल श्रमिकों का मानसिक, शारीरिक विकास बाधित होता है, बल्कि उस मुल्क की समूची प्रगति भी एकांगी हो जाती है। सिर्फ कानूनी प्रावधानों से इस सामाजिक समस्या से मुख नहीं मोड़ा जा सकता, क्योंकि यह अपने आप में कोई पृथक मसला नहीं, अन्य समस्याओं से उत्पन्न हुई समस्या है।

मुकेश तिवारी

उन बाल श्रमिकों के हिस्से में सूरज की रोशनी नहीं है। उनके दिन भी रातों की तरह स्याह है। वे बंद जगह में 15-16 घन्टे काम करते हैं और फिर उन्हीं अधेरी कोठरियों में सो जाते हैं। खाने को उन्हें सिर्फ सूखी रोटी और वासी साग मिलता है। पेड, पौधे, तितलियों से भी उन्हें कोई वास्ता नहीं है । उनका वास्ता तो उस मालिक से जिसके जहाँ वे काम करते हैं। राक्षसों की तरह क्रूर मालिक जो इन्हें मारता पीटता है और सिगरेट तक से दाग देता है। बाल श्रमिकों के दिलों दिमाग पर मलिक का खौफ हमेशा बना रहता है। जिस उम्र में बच्चे किस्से कहानियाँ सुनते हैं बाल श्रमिकों को मलिक की गालियाँ सुनने पडती है। इनकी सूनी आंखे और सहमें चेहरे देखकर ही आभास हो जाता है कि इनका जीवन कितना कठोर है। इनके हिस्से में स्कूल, स्लेट, कलम, किताबे, लाडदुलार, खेलकूद कुछ नहीं है, इनका जीवन तो निरंतर काम, मलिक की गालियाँ और पिटाई खाना ही है। 5-8 साल की उम्र से लेकर 14-15 साल तक की उम्र के बच्चे निर्धन होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। इन्हें दलाल दूरदराज के गावों से सब्जबाग दिखाकर कारखानों तक ले आते हैं। कई जगह माता पिता द्वारा लिया कर्जा चुकाने के लिए बच्चे श्रमिक बनते हैं। बच्चे अपरहण करके भी लाये जाते हैं। बच्चो के काम करे बिना निर्धन परिवारों की जीविका नहीं चलती।

5 साल के होते ही बच्चे पैसा कमाने के घर से बाहर निकल पडते है। कयोकि गाँव में इनके लिए् रोजगार उपलब्ध नहीं है, घरेलू और कुटीर उधोग बंद हो ग ए है। कमोबेश ऐसी स्थिति में बच्चों के सामने अमानवीय स्थिति में काम करने के अतिरिक्त कोई रास्ता ही नहीं शेष रह जाता। गाँव से हर साल हजारों बेरोजगार बच्चे काम की तलाश में निकलते हैं। आजादी के पश्चात हमने जिस तरह की विकास नीति अपनाई है उसने गाँव के आथिर्क समाजिक ढाचे को तहस नहस करके रख दिया है। बड़ी बड़ी परियोजनाओं के नाम पर काफी बड़ी संख्या में लोग विस्थापित किए गए। इनमें से काफी लोग ऐसे है जिन्हें न तो मुआवजा मिला, न ही जमीन। परिवार के परिवार मजदूरी करने पर मजबूर हो गए। जहाँ पर्यावरण का अधिक विनाश हुआ है, वहां बाल श्रमिकों की संख्या भी बढी है। दूसरी तरफ जिन क्षेत्रों में पर्यावरण विनाश कम हुआ है वहां बाल श्रमिक भी कम है। उत्तर प्रदेश में बाल श्रमिक कुल श्रम शक्ति के पांच प्रतिशत से भी कम है। लेकिन टिहरी में यह आंकड़े 10--10 प्रतिशत है। तमिलनाडु के उत्तरी अरकाट क्षेत्र का भी यही हाल है। अम्बेडकर जिले में कुछेक साल पहले कुल श्रम शक्ति में 10 प्रतिशत श्रमिक थे, भदोही मिजापुर के कालीन उद्योग में पलामू के बाल श्रमिक सबसे ज्यादा हैं। पलामू और मध्य प्रदेश के सरगुजा में जंगल और जमीन का काफी विनाश हुआ है। इससे पारम्परिक रोजगार नष्ट हो गए और परिवारों को काम की तलाश में गाँव से बाहर निकलना पडा।

राजस्थान के सिरोही जिले में भी स्थिति काफी गंभीर है। यहाँ भी वन विनाश से बच्चे पलायन को विवश हुए हैं। यहाँ की कुल श्रम शक्ति में बाल श्रमिक 6.17 प्रतिशत है, जो व्यापक वन विनाश से 9.5 प्रतिशत हो गए हैं। कमोबेश यही स्थिति बनासकांठा (गुजरात) यवतमाल (महाराष्ट्र) गुजाम(उडीसा) तथा कुडप्पा(आंध्रप्रदेश) आदि की भी है। हालांकि बाल श्रमिकों की संख्या का कोई प्रामाणिक आंकडा उपलब्ध नहीं है। शासकीय हिसाब से हमारे मुल्क में तकरीबन 1 करोड़ 90 लाख 75 हजार बाल श्रमिक है। लेकिन गैर सरकारी सूत्र यह संख्या 4 से 10 करोड़ के बीच होने का अनुमान लगाते हैं। राजधानी दिल्ली का श्रमायुक्त कार्यलय दिल्ली में 90 हजार बाल श्रमिक होने की बात कहता है। मगर दिल्ली में तकरीबन 4 लाख से ज्यादा बाल श्रमिक होने का अनुमान है। इनमें से दो तिहाई बच्चे विस्थापित परिवारों से आज है। ये बाल श्रमिक कई तरह के कामों में खपत है। इन्हें चाय की दुकानों, ढाबों, स्कूटर व कार मरम्मत की दुकानों, निर्माण कायों में मजदूरी करते देखा जा सकता है। इनकी बड़ी संख्या घरेलू नौकरों के रूप में भी महानगरों में खप जाती है। कई बच्चे रेल गाडियों, बसों में गा बजाकर अपनी जीविका चलाते हैं, उनमें से कई बूट पोलिश, कचरा बीनने अखबार बेचने या कारों के शीशे साफ करने में जुटे रहते हैं। कुछेक बच्चे तो भीख मांग कर अपना और अपने परिवार का भरणपोषण करते हैं।

बाल श्रमिक काफी बड़ी संख्या दियासलाई, आतिशबाजी, रत्न पालिश, बीड़ी, कांच, हस्त शिल्प पावर लूम, नारियल रेशा, सिल्क बुनाई कढ़ाई, स्लेट पेसिल,बाल वेश्यावृत्ति ,पत्थर खुदाई, पौधरोपण और उनकी देखभाल में लगे हुए हैं। सबसे अधिक बाल श्रमिक उत्तर प्रदेश में है। इसके पश्चात आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू, कश्मीर, कनाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी बाल श्रमिक अधिक संख्या में है। इनमें से अधिकांश बाल श्रमिक के पास रहने को ढोर नहीं है। वे काम के दौरान बाल श्रमिकोफुटपाथ, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सोते है। बाल श्रमिक जहाँ काम करते हैं रात होने पर वही सो जाते हैं। फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर बाल श्रमिकों को पुलिस व स्थानीय दादा लोगों के अत्याचार भी सहने पडते है। बाल श्रमिकों की एक अन्य श्रेणी भी है, जो ज्यादा खतरनाक है। जरुरतमंद बच्चे कुछ ऐसे उधोग में भी काम करने को मजबूर है, जहाँ इन्हें बीमारी और मौत का सामना करना पड़ता है। ऐसे खतरनाक उधोग में काम करने वाले बाल श्रमिकों की संख्या 40 लाख के आसपास है।

काम के दौरान बाल श्रमिक तमाम तरह की बीमारियों की गिरफत में आ जाते हैं। लगातार घंटो काम करते रहने से कई तरह की शारीरिक मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो जाती है । समय पर पर्याप्त भोजन न मिलने से वे कुपोषण तक के शिकार हो जाते हैं। बाल श्रमिक कैसे अपनी जिंदगी दांव पर लगा कर काम करते हैं, इसके लिए इन उधोग पर नजर डालना काफी होगा, फिरोजाबाद के चूड़ी उधोग में बाल श्रमिक आठ वर्ग मीटर के उबलते कमरे में दहकती भटिठयों के सामने बैठकर काम करते हैं। ये चूडियों का गर्म सिरा नंगे हाथों से जोड़कर चूड़ी बनाते हैं। स्लेट पेसिल उधोग मंदसौर में स्लेट पत्थरो के टूटने से निकलकर उडने वाली धूल इनके फेफड़ों में भर जाती है और वे सिलिकोसिस जैसी जानलेवा बीमारी का शिकार हो जाते हैं। आतिशबाजी और दियासलाई उधोग में काम करने वाले बाल श्रमिक के स्वास्थ्य पर भी काफी बुराअसर पड़ता है। दूसरे उधोग की भी यही स्थिति है कालीन बनाने के काम में लगे बाल श्रमिक को सांस लेने में परेशानी, शरीर दर्द, जोडों में दर्द, नज़र कमजोर होने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। हालांकि कारखानो में बाल श्रमिक से काम कराने पर कानून रोक लगी हुई है, यह कानूनी रोक सिर्फ कागजों तक ही सिमित है। गौर तलब बात है कि श्रम एवं कल्याण संबधी संसदीय स्थायी समिति ने अपने अध्ययन में पाया कि केन्द्र या राज्य सरकार के पास बाल श्रम से संबंधित प्रामाणिक आंकड़े तक नहीं है। प्रदेश सरकार ने बाल श्रम कानून को ठीक से लागू नहीं किया है। प्रदेश सरकार इन्ही खमियो का फायदा उठाती है और केन्द्र सरकार पर उन पर म दोष मढते रहती है।

मनरेगा कार्यों में तेजी: कलेक्टर ने 15 जून तक जल संरक्षण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशासनिक अमले ने बुधवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत संचालित निर्माण कार्यों का जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम ग्राम पंचायत सिरौली, सीरिया खोह, चिराईपानी, लोहारी एवं लाई पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से

भी चर्चा कर कार्यों की उपयोगिता और प्रगति की जानकारी ली गई कलेक्टर ने विशेष रूप से जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए निरीक्षण में डबरी निर्माण, कंटूर ट्रेंच, स्टॉप डैम और सार्वजनिक रिचार्ज पिट जैसे कार्यों का बारीकी से परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन निर्माण कार्यों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इसके अलावा ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के तहत सार्वजनिक शौचालय, सार्वजनिक कुआं और महतारी सदन निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए तकनीकी अमले को निर्देशित किया कि सभी कार्य तय समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्य 15 जून तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं, ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए और मजदूरों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार देने के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी शासन की प्राथमिकता है इस अवसर पर स्थानीय एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शांतिपूर्ण माहौल में मनाई गई बकरीद: ईदगाह में हजारों लोगों ने अदा की नमाज, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की ईदगाह में सुबह बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करने पहुंचे। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों ने एक साथ ईद की विशेष नमाज अदा कर देश और प्रदेश में अमन-चैन भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी सुबह से ही ईदगाह परिसर में नमाजियों का आगमन शुरू हो गया था। नमाज के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे इस अवसर पर कलेक्टर अर्पित शर्मा, पुलिस अधीक्षक यांगचेंज डोलकर भूटिया,

एसडीओपी संजय चतुर्वेदी, देहात थाना प्रभारी विकास यादव और यातायात थाना प्रभारी रणवीर सिंह यादव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। नमाज के बाद शहर काजी बली उद्दीन अहमद सिद्दीकी ने मुस्लिम समाज सहित सभी जिलेवासियों को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील उन्होंने बताया कि यह पर्व त्याग, बलिदान इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। काजी सिद्दीकी ने लोगों से प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील भी की नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाइयां दीं और खुशियां साझा कीं शहर में पूरे दिन ईद को लेकर उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा प्रशासन की सतर्कता और बेहतर व्यवस्थाओं के कारण यह पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

बिना नंबर प्लेट वाहन जब्त :यातायात पुलिस ने 25 दोपहिया वाहनों पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में यातायात पुलिस ने बुधवार देर शाम बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया इस दौरान शहर के विभिन्न चौराहों से 25 बाइक और स्कूटी जब्त की गईं जिन्हें यातायात थाने लाया गया कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में नाबालिग और स्कूली बच्चे बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाते हुए पाए गए यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की जा रही है। जब्त किए गए सभी वाहन चालकों को यातायात थाने में नंबर प्लेट लगाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद उन्हें समझाइश देकर छोड़ा गया यादव ने आगे कहा कि बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने से अपराध या सड़क दुर्घटना की स्थिति में वाहन की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, शहर में आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

नर्मदापुरम में नशेड़ी कार चालक का उत्पात :तेज रफ्तार स्विफ्ट ने राहगीरों को मारी टक्कर, 200 मीटर पीछा कर भीड़ ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सदर बाजार-कलेक्ट्रेट रोड पर बुधवार रात करीब 11:45 बजे शराब के नशे में धुत एक कार चालक ने जमकर उत्पात मचाया। तेज रफ्तार सफेद स्विफ्ट (MP09CP4579) ने एसपी ऑफिस चौराहे पर राहगीरों और दो स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को आक्रोशित लोगों ने 200 मीटर दूर सांसद बंगले के पास दबोच लिया, जिसके बाद उसे कोतवाली थाने ले जाया गया कोल्डड्रिंक पी रहे लोगों को उड़ाया, बाल-बाल बची

जान चौराहे स्थित एक दुकान के बाहर कोल्डड्रिंक पी रहे दो लोग और उनकी खड़ी स्कूटी इस बेकाबू कार की चपेट में आ गई। दोनों लोग झटके से जमीन पर गिर गए और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि संभलने का मौका ही नहीं मिला और लगा कि वह किसी को कुचल देगी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई पकड़े जाने पर गिड़गिड़ाया शराबी, पार्षद ने किया बीच-बचाव हादसे के बाद भागते समय भीड़ ने कार को घेरकर रुकवा लिया। नशे में बुरी तरह लड़खड़ा रहा ड्राइवर लोगों का गुस्सा देखकर ड्रामा करने लगा और तुरंत हाथ जोड़कर माफी मांगने लगा। इसी दौरान वहां से गुजर रहे वार्ड-6 के पार्षद राजेंद्र उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। उन्होंने उग्र भीड़ को समझा-बुझाकर शांत किया और कानून अपने हाथ में न लेने की हिदायत दी। बाद में लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया।

ईद-उल-अजहा पर 2500 लोगों ने अदा की नमाज :मुस्लिम समाज ने मांगी देश में शांति और भाईचारे की दुआ, शहरकाजी बोले- फर्ज-ए-कुर्बानी का दिन

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। देशभर में ईद उल अजहा का (बकरीद) का पर्व गुरुवार को मनाया गया। नर्मदापुरम शहर में मुख्य नमाज ईदगाह पर बकरीद की नमाज पढ़ी गई जिसमें 2500 से ज्यादा समाजजन शामिल हुए। गर्मी और धूप की वजह से सुबह 7.15बजे नमाज पढ़ी ईदगाह के अलावा शहर की 5 मस्जिदों में नमाज पढ़ी गई देश की अमन चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी गई इसके बाद एक दूसरे को गले लगाकर बकरीद की बधाई दी शहर काजी हाफिज मोहम्मद अशफाक अली ने नमाज कराई फर्ज-ए-कुर्बानी का दिन ईद उल फितर के बाद

यह त्योहार मनाया जा रहा है मीठी ईद के बाद यह इस्लाम धर्म का प्रमुख त्योहार है शहरकाजी हाफिज मोहम्मद अशफाक अली कहा कि यह फर्ज-ए-कुर्बानी का दिन है। नमाज अदा करने के बाद बकरें की कुर्बानी दी जाती है। इस त्योहार को हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस रही तैनात ईद पर कोई उपद्रव न हो इसके लिए पुलिस द्वारा सुरक्षा रखी गई है ईदगाह और मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा।

मुरैना पुलिस ने पेश की ईमानदारी और तत्परता की मिसाल कोचिंग संचालक के गुम हुए 6 लाख रुपये खोजकर सुरक्षित लौटाए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली का परिचय देते हुए आमजन का भरोसा मजबूत किया है। मुरैना जिले के अम्बाह थाना पुलिस ने महज सात दिनों के भीतर कोचिंग संचालक के गुम हुए 6 लाख रुपये बरामद कर सुरक्षित रूप से फरियादी को सौंप दिए। पुलिस की इस सराहनीय कार्रवाई की क्षेत्र में व्यापक प्रशंसा हो रही है जानकारी के अनुसार 19 मई को फरियादी योगेंद्र सिंह तोमर, निवासी चंबल कॉलोनी अम्बाह, अपने पुत्र के साथ बाइक से सेंट्रल बैंक में 6 लाख रुपये जमा करने जा रहे थे। रास्ते में पेट्रोल पंप के पास बाइक पर टंगे बैग की चेन खुल जाने से रुपयों से भरा बंडल सड़क पर गिर गया। पीछे से आ रहे एक बाइक सवार युवक ने वह राशि उठाकर अपने साथ ले ली घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में थाना प्रभारी अम्बाह निरीक्षक वीरेश सिंह कुशवाह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया लगातार तकनीकी जांच सूझबूझ और मेहनत के चलते पुलिस ने मात्र सात दिनों के भीतर बाइक सवार युवक की पहचान कर ली। इसके बाद उसके कब्जे से 6 लाख रुपये की पूरी राशि बरामद कर ली गई पुलिस ने पूरी रकम सुरक्षित रूप से फरियादी योगेंद्र सिंह तोमर को लौटा दी अपनी गुम हुई राशि वापस मिलने पर फरियादी और उनके परिजनों ने मुरैना पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है मध्यप्रदेश पुलिस ने कहा है कि आमजन की सुरक्षा सहायता और विश्वास बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग के लिए विभाग लगातार प्रतिबद्ध है।

पिछोर विधायक प्रतिनिधि पर प्रताड़ना के आरोप :पीड़ित परिवार ने सीएम से लगाई गुहार, आत्महत्या की अनुमति मांगी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा के चमरौआ गांव में एक परिवार ने विधायक प्रतिनिधि पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव से कार्रवाई की मांग की है परिवार का आरोप है कि लंबे समय से परेशान किए जाने के कारण उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर विधायक प्रतिनिधि को हटाने और कार्रवाई नहीं होने पर आत्महत्या की अनुमति मांगी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला चर्चाओं में आ गया परिवार के सदस्य शिवराज सिंह लोधी ने आरोप लगाया कि गांव निवासी हरिभान सिंह लोधी, जो विधायक प्रीतम लोधी के प्रतिनिधि बताए जा रहे हैं, पिछले दो वर्षों से उनके परिवार को परेशान कर रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी बेटी को बदनाम करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर आपत्तिजनक पोस्ट डाली जा रही हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई जगदीश लोधी, जो शासकीय स्कूल में प्राचार्य पद पर पदस्थ थे, उनके खिलाफ शिकायतें कराकर उन्हें पद से हटवाया गया।

आरोप- रास्ते में रोकने की कोशिश की: शिवराज सिंह लोधी ने बताया कि बुधवार को उनके पिता जहार सिंह लोधी, उनकी पत्नी और भाई की पत्नी पिछोर गए थे। आरोप है कि रास्ते में पहले पिछोर में और बाद में हिरापुर के जंगल क्षेत्र में उन्हें रोकने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि अन्य वाहनों के वहां पहुंच जाने से परिवार के लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर लौट सके। शिवराज ने आरोप लगाया कि यह सब विधायक प्रतिनिधि हरिभान सिंह लोधी ने गजौरा गांव के युवकों के माध्यम से कराया उन्होंने यह भी कहा कि समाज स्तर पर दो बार राजीनामा होने के बाद भी उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। वायरल वीडियो में परिवार ने मुख्यमंत्री से न्याय की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा कदम उठाएंगे।

विधायक प्रतिनिधि बोले- आरोप गलत: वहीं विधायक प्रतिनिधि हरिभान सिंह लोधी ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि शिवराज सिंह लोधी के परिवार और गजौरा गांव के कुछ युवकों के बीच पुराना विवाद चल रहा है जिसमें उन्हें बेवजह घसीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुधवार को जो भी घटना हुई होगी, उसका उनसे कोई संबंध नहीं है हरिभान सिंह लोधी ने यह भी दावा किया कि पूर्व में शिवराज सिंह लोधी के शिक्षक भाई जगदीश लोधी की पत्नी ने उनके खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया था।

रेत खनन रोकने पर पुजारी और माफियाओं में विवाद,पुलिस ने जब्त किया पोकलेन और ट्रैक्टर-ट्रॉली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करेरा थाना क्षेत्र की सुनारी चौकी अंतर्गत खाती बाबा मंदिर के पास बुधवार शाम अवैध रेत खनन को लेकर मंदिर के पुजारी और कथित रेत माफियाओं के बीच विवाद हो गया सूचना मिलने पर सुनारी चौकी पुलिस और करेरा तहसीलदार मौके पर पहुंचे उन्होंने कार्रवाई करते हुए एक एलएनटी पोकलेन मशीन और सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की जानकारी के अनुसार, दतिया जिले से जुड़े कुछ रेत कारोबारी पहले नदी के रौनेजा घाट से रेत खनन कर रहे थे आरोप है कि पूर्व में हुई कार्रवाई और विरोध के कारण उन्होंने अब जरगंवा घाट की ओर रुख किया था यह घाट खाती बाबा मंदिर के नजदीक बताया जा रहा है।

मौलाना बोले- त्याग और कुर्बानी का पर्व है ईद, ईदगाह में अदा की गई नमाज

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया सहित आसपास के क्षेत्रों में बकरीद (ईद-उल-अजहा) का पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। नगर की जामा मस्जिद से मुस्लिम समाज के लोग जुलूस के रूप में ईदगाह पहुंचे, जहां सामूहिक रूप से ईद की दो रकात नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी पिपरिया, पचमढ़ी और बनखेड़ी क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक परंपराओं और इबादत के साथ मनाया गया। जामा मस्जिद के पेश इमाम अशफाक अहमद तहसीनी ने ईद की नमाज अदा कराई तथा खुतबा (धार्मिक उपदेश) का वाचन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग,

बलिदान और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। इस अवसर पर लोगों को आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की सीख दी गई सामूहिक दुआ के दौरान पेश इमाम ने अल्लाह से देश में अमन, शांति और सभी समुदायों के बीच एकता बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि समाज में प्रेम और भाईचारा कायम रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर पर्व की खुशियां साझा कीं ईद की नमाज के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे। सदर हाजी इमरान अहमद ने नमाज और अन्य व्यवस्थाओं के लिए प्रशासनिक अमले का आभार व्यक्त किया। उन्होंने नगरवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की नगर में कई स्थानों पर ईद मिलन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। शोभापुर रोड, सीमेंट रोड तिराहा और मंगलवारा चौक पर विभिन्न राजनीतिक दलों के

प्रतिनिधियों, व्यापारियों और हिंदू समुदाय के लोगों ने मुस्लिम समाज के लोगों से गले मिलकर ईद की बधाई दी। इस दौरान नगर की गंगा-जमुनी तहजीब और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विधायक ठाकुर दास नागवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष नीना नागपाल, जनपद अध्यक्ष संध्या सिंगारे, भाजपा मंडल अध्यक्ष बलराम ठाकुर और कांग्रेस नगर अध्यक्ष उदय सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुस्लिम समाज को ईद की शुभकामनाएं प्रेषित कीं मंगलवारा चौक पर आयोजित ईद मिलन समारोह में अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटना में घायल दो बुजुर्ग व्यक्तियों को त्वरित सहायता से पहुँचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। गुना जिले के थाना राघौगढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो बुजुर्ग व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया इस त्वरित कार्रवाई से दोनों घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी 27 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना राघौगढ़ क्षेत्र अंतर्गत वृंदावन होटल के सामने ए.बी. रोड पर एक मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें 02 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना राघौगढ़ क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक शशि कपूर राजावत एवं पायलट रवि शर्मा ने मौके पर पहुँचकर पाया कि सड़क पर अचानक सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में मोटर साइकिल सवार दो बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे डायल-112 जवानों ने तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दोनों घायलों को सुरक्षित डायल 112 वाहन की सहायता से तत्काल अस्पताल पहुँचाया डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से दोनों बुजुर्गों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। इस मानवीय सहायता के लिए परिजनों एवं स्थानीय नागरिकों ने डायल-112 टीम का आभार व्यक्त किया डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

एमपी लॉकर ऐप: नागरिक सेवाओं का सुगम माध्यम

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिक सेवाओं के लोक-कल्याणकारी एवं डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक युगांतरकारी नवाचार करते हुए एमपी लॉकर ऐप को राज्य स्तरीय डिजिटल दस्तावेज़ प्लेटफ़ॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है। यह प्रयास 'डिजिटल गवर्नेंस' एवं 'पेपरलेस एडमिनिस्ट्रेशन' के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की एक उल्लेखनीय और अभूतपूर्व उपलब्धि बनकर उभरा है। इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेखों व प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल कवच प्राप्त हुआ है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

दस्तावेजों का सुरक्षित संचयन एवं सर्वसुलभ उपलब्धता: एमपी लॉकर ऐप से राज्य के नागरिक अपने महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों- जैसे विभिन्न प्रमाण-पत्र, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस), अनापत्ति प्रमाण-पत्र कर रसीद एवं अन्य विधिक प्रलेखों को कभी भी और कहीं से भी सुरक्षित रूप से प्राप्त, संचयित एवं साझा कर सकते हैं। वर्तमान में इस अत्याधुनिक प्लेटफ़ॉर्म पर द्दहक्क् क्क्क एवं भोपाल नगर निगम से संबंधित 22 से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाएँ सुगमता से उपलब्ध हैं। इनमें मुख्य रूप से संपत्ति कर रसीद, जल कर रसीद, व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस), अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) तथा संपत्ति नामांतरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सेवाएं समाहित हैं।

नवाचार के मुख्य आकर्षण: एआई क्षमताएं और 'वैधता समाप्ति चेतावनी': एमपी लॉकर ऐप की विशेषता इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुसज्जित स्वरूप है, जो नागरिकों को निम्नलिखित विशिष्ट सुविधाएँ प्रदान करता है: स्वचालित दस्तावेज़ अभिज्ञान नागरिकों को अब अपने दस्तावेजों को खोजने के लिए किसी मैन्युअल अन्वेषण या जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। यह ऐप पंजीकृत मोबाइल नंबर से संबद्ध समस्त शासकीय दस्तावेज़ों की स्वतः पहचान कर उन्हें तत्काल स्क्रीन पर प्रदर्शित कर देता है। वैधता समाप्ति पूर्व सूचना: नागरिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इसमें रिमाइंडर सिस्टम जोड़ा गया है। यह प्रणाली किसी भी दस्तावेज़ या लाइसेंस की वैधता समाप्त होने से पूर्व ही नागरिक को स्वतः सूचित कर सचेत कर देती है, जिससे समय रहते उनका नवीनीकरण सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सप्ताहों का कार्य अब क्षणों में: समय और श्रम की बचत: एमपी लॉकर ऐप के क्रियान्वयन से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में दक्षता आई है। नागरिकों की शासकीय कार्यालयों तक होने वाली 70 से 80 प्रतिशत भौतिक यात्राओं में कमी दर्ज की गई है, जिससे उनके धन और श्रम दोनों की महती बचत हो रही है। दस्तावेजों को प्राप्त करने की अवधि दिनों से घटकर क्षणों में सिमट गई है।

साइबर तहसील 2.0 से नामांतरण प्रक्रिया हुई डिजिटल, पारदर्शी और सरल

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं सरल, सुगम और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में प्रारंभ की गई 'साइबर तहसील 2.0' पहल राजस्व प्रणाली में ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बनी है। भूमि नामांतरण प्रक्रिया को डिजिटल और केंद्रीकृत बनाकर इस व्यवस्था ने नागरिक सुविधाओं को अधिक सहज और प्रभावी बनाया है और ईज़ ऑफ़ लिविंग को मजबूत किया है।

डिजिटल व्यवस्था से त्वरित हुआ नामांतरण निराकरण: 'साइबर तहसील 2.0' व्यवस्था से अब तक प्रदेश में 5.60 लाख से अधिक ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। पहले जहां नामांतरण की प्रक्रिया में लगभग 70 दिन का समय लगता था, वहीं अब अधिकांश प्रकरण मात्र 20 से 25 दिनों में पूरे हो रहे हैं। इससे नागरिकों के समय, श्रम और धन की बचत सुनिश्चित हुई है।

'साइबर तहसील 1.0' से '2.0' तक का सफल विस्तार: राज्य सरकार ने साइबर तहसील व्यवस्था की शुरुआत 'साइबर तहसील 1.0' के रूप में की थी। इसके अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पूर्ण खसरा से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को शामिल किया गया था। रजिस्ट्री के बाद पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होती थी और मैन्युअल हस्तक्षेप को न्यूनतम रखा गया था। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए 'साइबर तहसील 2.0' लागू की। इसमें अब आंशिक खसरा, अर्थात भूमि के किसी हिस्से की बिक्री से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को भी डिजिटल प्रणाली में शामिल किया गया है।

आंशिक खसरा प्रकरणों का समाधान हुआ सरल: आंशिक खसरा से जुड़े मामले तकनीकी रूप से अधिक जटिल माने जाते हैं, क्योंकि इनमें भूमि के हिस्से का सीमांकन, रिकॉर्ड संशोधन और संबंधित जानकारी का सटीक अद्यतन आवश्यक होता है। 'साइबर तहसील 2.0' ने इस चुनौती का समाधान डिजिटल तकनीक से किया है। इससे राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। साथ ही भूमि संबंधी विवादों की संभावनाओं में भी कमी आई है।

उपाय ऐप के जरिए विद्युत संबंधी हर शिकायत का समाधान

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जारी उपाय ऐप के जरिए विद्युत संबंधी अनेक तरह की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और अपनी शिकायत का त्वरित समाधान कराएं। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस ऐप को निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं।

बिजली कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए उपाय ऐप के माध्यम से कई फायदे हो सकते हैं, जैसे उपाय ऐप के रजिस्टर कंप्लेंट ऑप्शन्स की सहायता से विद्युत व्यवधान या बिल संबंधी शिकायत दर्ज कर शिकायत क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन 30 जून तक

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित एनसीव्हीटी/ एससीव्हीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के पोर्टल 222.dsd.mp.gov.in पर होगी। प्रवेश हेतु पंजीयन 20 जून तक किए जा सकते हैं। आवेदक इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन 01 से 30 जून तक कर सकेंगे। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी डीएसडी पोर्टल पर उपलब्ध है। प्रवेश हेतु निर्धारित योग्यता कक्षा 8वीं एवं कक्षा 10वीं उत्तीर्ण है। आवेदक का चयन मैरिट के आधार पर किया जाएगा।अभ्यर्थी आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय आईटीआई रायसेन में व्यवसाय फिटर में 20 सीट, विधुतकार में 20 सीट, ड्राफ्टसमेन सिविल में 24 सीट, कोपा में 48 सीट, वेल्डर में 40 सीट एवं स्टेनोग्राफी हिन्दी में 24 सीट सहित कुल 176 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

गोबर डालने के विवाद में घायल पिता की मौत, रतलाम में पड़ोसियों ने तलवार से हमला किया था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र के सरवड़ जमुनिया गांव में गोबर फेंकने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने एक परिवार पर तलवार और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय व्यक्ति ने बुधवार देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी की चार उंगलियां कट गई हैं, जबकि बेटे को भी सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

रास्ते को लेकर था विवाद, महिलाओं ने शुरू किया था झगड़ा: मृतक के घायल बेटे विमल (30) ने बताया कि बुधवार सुबह उसकी मां राजूबाई (48) घर के पास बने अपने उखेड़े (गड्?ढे) में गोबर डालने गई थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अमरसिंह गुर्जर के घर की महिलाओं ने विवाद शुरू कर दिया और राजूबाई के साथ मारपीट की। शोर सुनकर विमल और उसके पिता कैलाश (पिता जगदीश गुर्जर, उम्र 50) मौके पर पहुंचे। वे बातचीत कर मामला सुलझाने की कोशिश कर ही रहे थे कि अमरसिंह, उसके बेटे ओमप्रकाश व अनिल और घर की महिलाओं ने तलवार व लोहे की रॉड से हमला कर दिया। विमल के मुताबिक, उनके

उखेड़े के पीछे आरोपियों का मकान है और वे उस जगह को अपना रास्ता बताकर विवाद करते हैं।

बचाव में पत्नी की उंगलियां कटीं, निजी अस्पताल में तोड़ा दम: हमले में कैलाश गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बचाने आई पत्नी राजूबाई पर भी आरोपियों ने तलवार से वार किया, जिससे उनके एक हाथ की चार उंगलियां कट गईं। बेटे विमल के सिर पर भी गंभीर चोट आई। तीनों घायलों को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां कैलाश की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां बुधवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई।

3 महिलाओं समेत 6 पर हत्या का केस, 2 पुलिस अभिरक्षा में: बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया कि पुलिस ने पहले इस मामले में 6 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया था। कैलाश की मौत के बाद दर्ज प्रकरण में हत्या की धारा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

इन 6 आरोपियों पर दर्ज हुई एफआईआर: पुलिस ने इस हत्याकांड में अमरसिंह (पिता दूधा गुर्जर), उसके बेटे ओमप्रकाश व अनिल के साथ-साथ परिवार की तीन महिलाओं- जुन्ना बाई (पति अमरसिंह), रंजीता बाई (पति ओमप्रकाश) और सन्नू बाई (पति अनिल) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। सभी आरोपी सरवड़ जमुनिया के ही रहने वाले हैं। गांव में किसी भी तरह के तनाव या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए एहतियातन भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

तेज रफ्तार स्विफ्ट ने राहगीरों को मारी टक्कर; 200 मीटर पीछा कर भीड़ ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के सदर बाजार-कलेक्ट्रेट रोड पर बुधवार रात करीब 11:45 बजे शराब के नशे में धुत एक कार चालक ने जमकर उत्पात मचाया। तेज रफ्तार सफेद स्विफ्ट (MP®~CP4579) ने एसपी ऑफिस चौराहे पर राहगीरों और दो स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को आक्रोशित लोगों ने 200 मीटर दूर सांसद बंगले के पास दबोच लिया, जिसके बाद उसे कोतवाली थाने ले जाया गया।

कोल्डड्रिंक पी रहे लोगों को उड़ाया, बाल-बाल बची जान: चौराहे स्थित एक दुकान के बाहर कोल्डड्रिंक पी रहे दो लोग और उनकी खड़ी स्कूटी इस बेकाबू कार की चपेट में आ गई। दोनों लोग झटके से जमीन पर गिर गए और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि संभलने का मौका ही नहीं मिला और लगा कि वह किसी को कुचल देगी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पकड़े जाने पर गिड़गिड़ाया शराबी, पार्षद ने किया बीच-बचाव हादसे के बाद भागते समय भीड़ ने कार को घेरकर रुकवा लिया। नशे में बुरी तरह लड़खड़ा रहा ड्राइवर लोगों का गुस्सा देखकर ड्रामा करने लगा और तुरंत हाथ जोड़कर माफी मांगने लगा। इसी दौरान वहां से गुजर रहे वार्ड-6 के पार्षद राजेंद्र उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला।

सागर में बेकाबू टैंकर दुकानों-घरों में घुसा

सागर-खुरई रोड पर हादसा, तेंदूपत्ता तोड़ने जा रहा युवक चपेट में आया; ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के खुरई रोड स्थित ग्राम जरुआखेड़ा में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार एक बेकाबू टैंकर (कैप्सूल) सड़क किनारे बनी दुकानों और घरों में जा घुसा। हादसे में तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल जा रहा एक युवक टैंकर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने टैंकर जब्त कर फरार ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा जरुआखेड़ा के झंडापुरा मुहाल में सागर-खुरई रोड पर हुआ। गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार टैंकर अचानक अनियंत्रित हो गया और सीधे दो दुकानों व घरों में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकानों और घरों की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

युवक की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती: हादसे के वक्त अशोक अहिरवार नाम का युवक जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने जा रहा था। इसी दौरान वह बेकाबू टैंकर की चपेट में आ गया। टक्कर लगने से अशोक को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस ने टैंकर जब्त किया, ड्राइवर की तलाश जारी: हादसे के बाद टैंकर का ड्राइवर गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही जरुआखेड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से टैंकर को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी चालक की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

नौतपा की गर्मी से सूना पड़ा सांची स्तूप परिसर

44 डिग्री तापमान और लू के चलते पर्यटकों ने विश्व पर्यटन स्थल से बनाई दूरी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में नौतपा की भीषण गर्मी का असर विश्व पर्यटन स्थल सांची स्तूप पर साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार को स्तूप परिसर में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा और पर्यटकों की संख्या कम रही। आमतौर पर जहां हजारों पर्यटक सांची पहुंचते हैं, वहीं इन दिनों तेज गर्मी और लू के कारण लोगों ने यहां का रुख करना कम कर दिया है।

मौसम विभाग ने नौतपा के चौथे दिन आज गुरुवार को जिले में लू का येलो अलर्ट जारी किया है। नौतपा के पहले और दूसरे दिन अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो तीसरे दिन बढ़कर 44 डिग्री तक पहुंच गया। गुरुवार को दोपहर 1 बजे तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया।

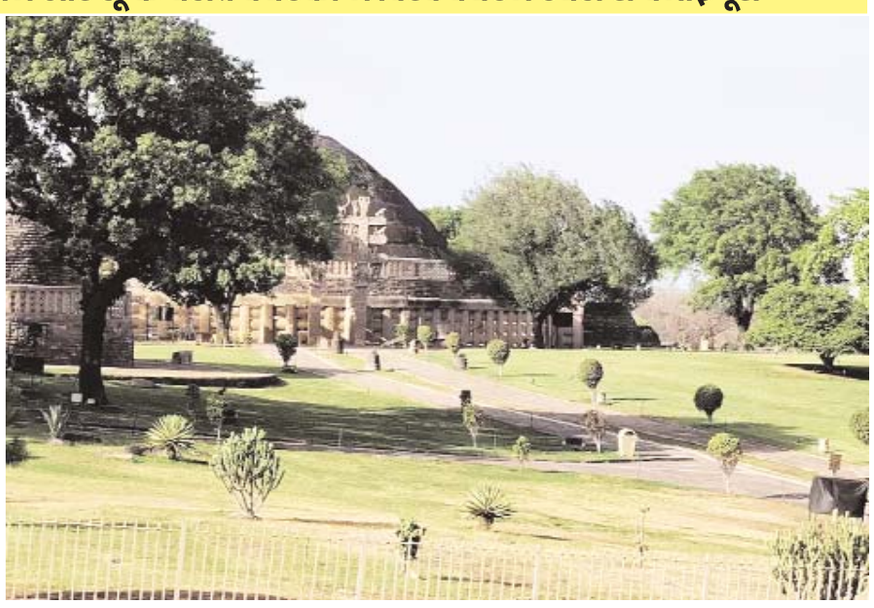

भीषण गर्मी का सीधा असर सांची स्तूप परिसर में देखा गया। गुरुवार को यहां इक्का-दुक्का पर्यटक ही नजर आए, और वे भी केवल सुबह या शाम के समय। दोपहर में पूरा परिसर लगभग सूना पड़ा रहा। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण पर्यटक लंबे समय तक परिसर में रुकने से बचते दिखे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही, पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों को भी इस मौसम में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जल-भराव क्षेत्रों से दूर रहें, बच्चों की सुरक्षा में अभिभावक निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। भीषण गर्मी के दौरान नदी, तालाब, कुएं एवं अन्य जल-भराव क्षेत्रों में नहाने अथवा खेलने के लिए जाने की घटनाएं लगातार सामने आती हैं। कई बार लापरवाही एवं सावधानी के अभाव में दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं, जिनसे अमूल्य मानव जीवन को खतरा उत्पन्न होता है। विशेष रूप से बच्चे और किशोर गर्मी से राहत पाने के लिए बिना सुरक्षा के पानी में उतर जाते हैं, जिससे डूबने जैसी दुखद घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें तथा उन्हें नदी, तालाब, बांध, स्टॉप डैम, नहर और अन्य जल-भराव वाले क्षेत्रों में जाने से रोकें। अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि बच्चे अकेले या समूह में ऐसे स्थानों पर न जाएं, जहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न हों। प्रशासन ने कहा है कि बरसात पूर्व कई जल स्रोतों में गहराई अधिक होने, फिसलन, दलदल एवं अचानक बढ़ते जल स्तर के कारण खतरा और बढ़ जाता है। कई स्थानों पर पानी की वास्तविक गहराई का अनुमान लगाना कठिन होता है, जिससे दुर्घटनाएं घट सकती हैं। इसलिए नागरिक स्वयं भी सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक करें।

जिला प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि यदि किसी जल-भराव क्षेत्र में बच्चे अथवा अन्य व्यक्ति असुरक्षित स्थिति में दिखाई दें तो तत्काल उन्हें वहां से हटाने का प्रयास करें तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित प्रशासनिक अथवा पुलिस अधिकारियों को सूचना दें।

प्रशासन की पुनः अपील: बच्चों को नदी, तालाब एवं नहरों के पास अकेले न जाने दें।

जल-भराव क्षेत्रों में नहाने एवं तैरने से बचें।: चेतावनी बोर्ड एवं सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सामूहिक जागरूकता बढ़ाएं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को सूचना दें।

अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन, अहमदपुर में माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विषय पर जागरूकता एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था। कार्यक्रम में शौर्य दल की स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को माहवारी के समय अपनाई जाने वाली स्वच्छ आदतों, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

पर्यवेक्षक सीमा ओझा ने बताया कि माहवारी महिलाओं के जीवन की एक प्राकृतिक एवं सामान्य प्रक्रिया है, जिसे लेकर जागरूकता एवं स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने से अनेक प्रकार की बीमारियों एवं संक्रमणों से बचा जा सकता है। साथ ही उन्होंने बालिकाओं एवं महिलाओं को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन एवं स्वच्छता अपनाने की सलाह दी। उन्होंने माहवारी के दौरान होने वाली सामान्य समस्याओं जैसे कमजोरी, दर्द, संक्रमण आदि के बारे में जानकारी देते हुए उनके निदान एवं सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। श्री अनुज जैन ने बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों एवं पॉक्सो एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए।

मंदसौर में लू और तेज से लोग परेशान: पारा 41 डिग्री पहुंचा

अस्पतालों में बढ़े लू और डिहाइड्रेशन के मरीज

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। चिलचिलाती धूप, गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोग केवल जरूरी काम होने पर ही बाहर निकल रहे हैं, जबकि दोपहर के समय शहर की सड़कें और बाजार लगभग सुनसान नजर आ रहे हैं।

41 डिग्री पहुंचा तापमान: बुधवार को मंदसौर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि इससे पहले मंगलवार को पारा 40 डिग्री तक पहुंचा था। वहीं न्यूनतम तापमान लगातार 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। तेज गर्म हवाओं और लगातार बढ़ते तापमान ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। गर्मी से बचने के लिए लोग अपना रहे तरह तरह के उपाय तेज धूप और लू से बचने के लिए लोग मुंह पर गमछा, कपड़ा या स्कार्फ बांधकर सफर करते

दिखाई दे रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर के समय लोग घरों में रहने को मजबूर हैं और सुबह या देर शाम के समय ही बाजारों में आवाजाही बढ़ती दिखाई दे रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर दिन के समय सन्नाटा पसरा रहता है, जबकि देर शाम बाजारों में कुछ रौनक लौटती नजर आती है।

दिनचर्या और खान-पान पर भी असर: भीषण गर्मी का असर आम लोगों की दिनचर्या और खान-पान पर भी साफ दिखाई दे रहा है। लोग दिनभर तेज धूप से बचने के लिए घरों में रहना पसंद कर रहे हैं। बाहर निकलने वाले लोग पूरी तरह शरीर को ढंककर सफर कर रहे हैं।लगातार बढ़ती गर्मी के कारण ठंडे पेय पदार्थों, पानी और शीतल खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ गई है।

अस्पतालों में बढ़े लू और डिहाइड्रेशन के मरीज: तेज गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी देखने को मिल रहा है। जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर लू और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने और अत्यधिक गर्मी के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मौसम और स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी: बढ़ती गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने लोगों से दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा तेज धूप में निकलते समय सिर और चेहरे को ढंककर रखने की सलाह भी दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों से अनावश्यक रूप से धूप में बाहर नहीं निकलने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

दर्शकों के बर्ताव से नाखुश दिखे जोकोविच, कहा- उम्मीद है अब किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ नहीं खेलूंगा

पेरिस, एजेंसी। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2026 में दर्शकों के बर्ताव से काफी नाखुश हैं। जोकोविच ने कहा कि उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उन्हें अब फ्रांस के किसी भी खिलाड़ी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोकोविच वैलेंटिन रॉयर के खिलाफ हुए मैच में दर्शकों द्वारा की गई लगातार हूटिंग से गुस्से में नजर आए। जोकोविच ने दूसरे राउंड में रॉयर पर चार सेट में 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत हासिल करके अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तरफ कदम बढ़ाया। टूर्नामेंट के लगातार दूसरे मुकाबले में जोकोविच का सामना फ्रांस के खिलाड़ी से हुआ। पहले राउंड में जोकोविच ने जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड को हराया था। मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब जोकोविच ने भीड़ की हूटिंग के बाद ताली बजाई और अंपायर ने शांत रहने को कहा। अंपायर ने कहा, लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपा दोनों खिलाड़ियों की थोड़ी इज्जत करें। जोकोविच ने तुरंत कहा, उनमें कोई इज्जत नहीं है।÷ सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बाकी टूर्नामेंट में किसी और फ्रेंच खिलाड़ी के साथ नहीं खेलूंगा।

शुरुआती दो सेट में जोकोविच का ज़बरदस्त खेल देखने को मिला। तीन बार के रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) विजेता रॉयर के पैटर्न को समझ रहे थे और कई लेज़र-फोकस्ड शॉट मार रहे थे। हालांकि, रॉयर पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्हें लगातार अच्छे खेल का इनाम तीसरे सेट में मिला। उन्होंने तीसरे सेट में अपना हुक्ड फोरहैंड मारकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। टाई-ब्रेक में जोकोविच ने मैच पॉइंट 6-5 पर बनाए रखा। फिर से रॉयर ने हार नहीं मानी और 24 ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी को पीछे रखने के लिए जोरदार शॉट्स खेले और फुर्तीले मूवमेंट का इस्तेमाल किया। कुछ पॉइंट बाद जोकोविच का एक बैकहैंड लंबा चला गया, जिससे पेरिस के फैंस जोरदार नारे लगाने लगे।

जोकोविच ने कहा, मुझे राहत मिली है। जाहिर है कि जब आप मैच जीतते हैं तो अलग महसूस होता है। मुश्किल हालात में यह दोनों खिलाड़ियों के लिए बहुत जरूरी जीत है। बहुत गर्मी थी, और मुझे लगता है कि रॉयर इस मुकाबले के अपने प्रदर्शन के लिए बहुत श्रेय के हकदार हैं। यह बहुत मुश्किल मैच था, शुरू से ही एक चुनौती थी। यह नॉर्मल है कि इस तरह के हालात और माहौल में कोर्ट पर चीजें मुश्किल हो जाती हैं। मुझे उम्मीद है कि टूर्नामेंट के आखिर तक मुझे किसी और फ्रेंच खिलाड़ी से दोबारा नहीं खेलना पड़ेगा।

जीत के साथ, जोकोविच ने लगातार 21वीं बार रोलैंड गैरोस के तीसरे राउंड में जगह बनाते हुए रिकॉर्ड कायम किया। इसके अलावा, 39 साल के खिलाड़ी किसी एक ग्रैंड स्लैम इवेंट में 120 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए, और उन्होंने रोजर फेडरर के विंबलडन के 119 मुकाबलों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 का अगला मुकाबला ब्राजील के 28वीं वरीयता प्राप्त फोंसेका से होगा, जिन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया के डिनो प्रिजमिक को हराया और तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की की।

टी20 विश्वकप जीतने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफीका : वोल्वार्ट

जोहांसबर्ग, एजेंसी। हाल ही में भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट अब अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना चाहती हैं। वोल्वार्ट का कहना है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह खिलाब जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पिछले कुछ साल में लगातार सुधार किया है। वह साल 2023 और 2024 में लगातार दो टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। इसके अलावा, टीम पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में भी उपविजेता रही थी। लगातार फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब हासिल नहीं कर पाने की निराशा से टीम नहीं है और उसके अंदर जीत का जज्बा बढ़ा है। वोल्वार्ट ने लिखा, लगातार दो बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचना निश्चित रूप से हमारे लिए बेहद खास रहा, लेकिन मुझे लगता है कि इसने हमें एक कदम और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित कर दिया है। उनकी टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। गौरतब है कि इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले, दक्षिण अफ्रीका ने अप्रैल में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारतीय टीम को 4-1 से हरा दिया था। वोल्वार्ट के अनुसार, भारत के खिलाफ सीरीज दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ अपने को आंकने का एक शानदार अवसर था। उस सीरीजको जीतने से टीम का आत्मविश्वास तो बढ़ा ही, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने टीम की क्षमता और जुझारूपन को दिखाय। हमारे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और उम्मीद है कि विश्व कप में भी यह जारी रहेगा।

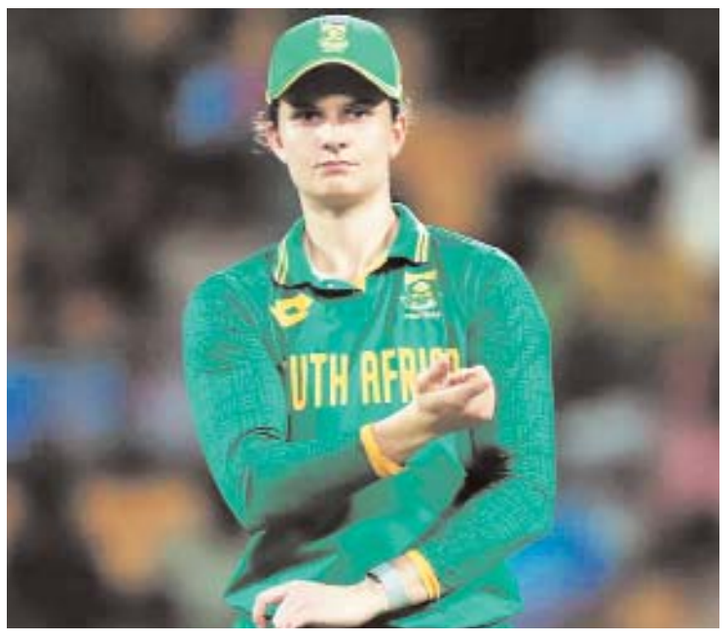

इस साल टी20 प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। भारत से पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड को 4-1 और पाकिस्तान को 2-1 से पराजित किया था। कप्तान ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, अब तक हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। विश्व कप से पहले हमें न्यूजीलैंड और भारत जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिला, जिससे हमें अलग-अलग हालातों में खुद को परखने का शानदार अवसर मिला। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो समूहों में बांटा गया है।

वैभव ने तोड़े बाउंड्री और छक्कों के सभी रिकॉर्ड

680 में से 610 रन बाउंड्री से बनाये

मुल्लांपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल के 19 वें सत्र में धमाकेदार बल्लेबाजी रने वाले वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में ही बाउंड्री और छक्कों को लेकर सभी रिकार्ड तोड़ दिये हैं। वैभव ने इस सत्र में कुल 680 रन बनाये हैं जिसमें से उन्होंने 610 रन केवल बाउंड्री से बनाये हैं। इसमें 55 चौके और एक आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 65 छक्के हैं, जो एक नया रिकार्ड है। कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि यदि वैभव अगले दो दशकों तक इसी प्रकार क्रिकेट खेलता रहा, तो वह कई और रिकॉर्ड तोड़ देगा।

वैभव की बल्लेबाजी का अंदाज़ इतना आक्रामक रहा है कि कुल रनों में से 57 फीसदी रन केवल छक्कों से बने हैं। वहीं वेस्ट इंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज रहे क्रिस गेल ने कुल 733 रन बनाए थे जिसमें उन्होंने 59 छक्के लगाये थे। इसका अर्थ ये है कि उनके 48 फीसदी रन छक्कों से बने थे। वैभव ने न केवल गेल के सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ा है, बल्कि छक्कों के माध्यम से रन बनाने के प्रतिशत के मामले में भी उन्हें पीछे छोड़ दिया है, जिससे पता चलता है कि वह किस असाधारण प्रतिभा के धनी हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने 28 गेंदों पर 97 रन बना दिये। अपनी इस पारी में इस बल्लेबाज ने 12 छक्के और 5 चौके लगाये।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और लक्क के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा।

जून में होगा रग्बी महिला प्रीमियर लीग का आयोजन

16 से 28 जून तक हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में होंगे मुकाबले

हैदराबाद, एजेंसी। रग्बी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन अगले माह जून में होने जा रहा है। आयोजकों के अनुसार इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रौत्साहन मिलेगा। हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जागा।

इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया मिलकर कर रहे है। ये दोनो ही देश में रग्बी के विकास और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन एक रोमांचक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। चार महिला टीमों और छह पुरुष टीमों (जिनमें मेजबान हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसे नाम शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इस लीग से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा।

पिछले साल मुंबई में रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सफल सत्र का आयोजन किया गया था, और अब महिला टूर्नामेंट की शुरुआत से लीग का दायरा और महत्व काफी बढ़ गया है।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा।

इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा।इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी।दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

वैभव टी20 टीम के लिए तैयार पर अभी टेस्ट में शामिल नहीं कर सकते : गांगुली

कोलकाता, एजेंसी। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार से पिछले एक साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उससे उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर-10 विश्वकप और घरेलू रणजी ट्रॉफी में भी अच्छी बल्लेबाज की थी। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में 500 से अधिक रन बना दिये हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और निडर होकर किसी भी गेंदबाज पर हावी होने की क्षमता को देखते हुए, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग की है। विशेष रुप से टी20 प्रारूप में, जहां के लिए उनकी आक्रामक शैली सटीक है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि वैभव को भारतीय टी20 टीम में तो अभी शामिल किया जा सकता है पर टेस्ट टीम के लिए अभी उन्हें शामिल करना ठीक नहीं है। गांगुली के अनुसार वैभव को सभी इसके लिए इंतजार की जरुरत है।

वैभव को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप में उन्हें बिना देर किए शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि उनका खेल इस प्रारूप की मांग के अनुरूप है पर जहां तक टेस्ट क्रिकेट की बात है इसके लिए अभी समय है। टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के लिए, वैभव को अभी प्रथम श्रेणी क्रिकेट में और अधिक रन बनाने होंगे और अपने को हालातों के अनुकूल ढालना होगा और लाल गेंद क्रिकेट की चुनौतियों का सामना करना होगा। टेस्ट प्रारूप के लिए धैर्य और गहरी तकनीकी समझ और अनुभव की जरुरत है। गांगुली ने वैभव की असाधारण प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए आगे कहा, ÷हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं कि वह इस समय वास्तव में बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं। दुनिया के किसी भी शीर्ष गेंदबाज के सामने एक 15 साल के लड़के को इस आत्मविश्वास और कुशलता के साथ बल्लेबाजी करते देखना अविश्वसनीय है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की।

शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

रीवा आरटीओ की कार्रवाई पर उठे सवाल, KCC कंपनी के 100 से अधिक वाहनों पर क्यों मेहरबान विभाग?

स्लीपर बसों पर सख्ती, लेकिन KCC कंपनी के नियम विरुद्ध वाहनों पर खामोशी! रीवा आरटीओ की कार्रवाई पर उठे बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) द्वारा हाल ही में 9 अंतर्राज्यीय स्लीपर बसों के पंजीयन निलंबित किए जाने की कार्रवाई को विभाग बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश कर रहा है लेकिन दूसरी ओर जिले में संचालित निर्माण कंपनियों के भारी वाहनों पर कार्रवाई न होने से विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। खास तौर पर रतहरा से चोरहटा तक सड़क निर्माण कार्य कर रही चष्टष्ट कंपनी के वाहनों को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। आरटीओ विभाग ने दावा किया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाराणसी-नागपुर, प्रयागराज-इंदौर और प्रयागराज-रायपुर मार्ग से गुजरने वाली स्लीपर बसों की जांच की गई। जांच में कई बसों में Fire Alarm Detection System (FADS), Fire Detection and Suppression System (FDSS) और अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं पाए गए। इसके बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में पंजीकृत कुल 9 बसों के रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिए गए।

लेकिन अब लोगों का आरोप है कि आरटीओ विभाग की यह कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित है। स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि रीवा जिले में चष्टष्ट कंपनी के लगभग 100 से अधिक भारी वाहन बिना वैध दस्तावेजों, अधूरी फिटनेस और नियम विरुद्ध तरीके से सड़कों पर दौड़ रहे हैं लेकिन विभागीय अधिकारी इन पर कार्रवाई करने के बजाय केवल कंपनी के प्लांट तक विजिट कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद विभागीय अमला सड़क पर उतरकर वास्तविक जांच नहीं करता। आरोप है कि कंपनी के डंपर, हाईवा और भारी वाहन ओवरलोड होकर दिन-रात सड़कें नाप रहे हैं। कई वाहनों के नंबर स्पष्ट नहीं दिखते, जबकि कुछ वाहनों के बीमा फिटनेस और परमिट को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद कार्रवाई शून्य दिखाई देती है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यदि आरटीओ विभाग वास्तव में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर होता तो केवल बसों पर कार्रवाई कर वाहवाही लूटने के बजाय निर्माण कंपनियों के वाहनों की भी व्यापक जांच करता। लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि आखिर KCC कंपनी के वाहनों को किसका संरक्षण प्राप्त है जिसके चलते इतने बड़े स्तर पर कथित अनियमितताओं के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही। सूत्रों की मानें तो विभागीय स्तर पर अवैध वसूली की चर्चाएं भी आम हो चुकी हैं। लोगों का कहना है कि सड़कों पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले भारी वाहनों पर कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े करता है। वहीं आम वाहन चालकों और बस ऑपरेटरों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर विभाग अपनी सख्ती दिखाने में लगा हुआ है। रतहरा से चोरहटा तक बन रही सड़क में पहले भी घटिया डायवर्सन ओवरलोड वाहनों और सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर सवाल उठ चुके हैं। कई बार हादसे होने के बाद भी जिम्मेदार विभागों की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है। अब आम जनता ने जिला प्रशासन और परिवहन आयुक्त से मांग की है कि KCC कंपनी के सभी वाहनों की निष्पक्ष जांच कर दस्तावेजों और फिटनेस की जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रीवा आरटीओ की कार्रवाई केवल कागजों और प्रेस नोटों तक सीमित रहेगी या फिर जिले में कथित तौर पर बिना दस्तावेज दौड़ रहे 100 से अधिक भारी वाहनों पर भी सख्त कार्रवाई देखने को मिलेगी।

अमहिया पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, विक्रेता को छोड़ा खरीदार और पति पहुंचे जेल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अमहिया थाना पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। चर्चित मंगलसूत्र लूट मामले में पुलिस ने लूट करने वाले आरोपी राजेश पासी और खरीददारी करने वाले दीपक सोनी के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया, जबकि जेवर बेचने वाली राखी पासी को कार्रवाई से बाहर रखा गया। इस मामले को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार, राखी पासी द्वारा दीपक सोनी के लेटर पैड पर स्वयं लिखकर दिया गया था कि वह अपनी मां द्वारा दिए गए जेवर को दवा और पति के ऑटो की बैटरी खरीदने के लिए बेच रही है। वायरल वीडियो में भी कथित रूप से महिला को ज्वेलर्स की दुकान से निकलते देखा जा सकता है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा उसे आरोपी नहीं बनाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं।

दरअसल, यह मामला 19 मई 2026 का है। जिगना थाना रामनगर जिला मैहर निवासी राधा देवी हलवाई अपने पति अमरनाथ हलवाई के इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा आई थीं। शाम करीब 4 बजे अस्पताल से बाहर निकलते समय एक अज्ञात व्यक्ति उनके गले से सोने का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर अमहिया थाना में अपराध क्रमांक 0104/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

रीवा के डॉक्टरों ने दिया नन्ही जान को नया जीवन, 36 दिनों के संघर्ष के बाद जीती जिंदगी की जंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जब हौसला बुलंद और चिकित्सा टीम में सेवा का समर्पण हो तो मौत के मुंह से भी जिंदगी को वापस लाया जा सकता है। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण रीवा जिले में देखने को मिला है, जहाँ स्वास्थ्य विभाग की तत्परता और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की बदौलत एक अत्यंत कमजोर प्रीमैच्योर नवजात शिशु को नई जिंदगी मिली है। जिले के ग्राम बरा पैपाखर पोस्ट ममकारी निवासी संजना कोल उम्र 28 वर्ष ने बीते 17 मार्च को घर पर पारंपरिक तरीके से एक प्रीमैच्योर (35 सप्ताह के) शिशु को जन्म दिया। जन्म के समय शिशु का वजन मात्र 1.350 किलोग्राम था। जन्म के तुरंत बाद ही मासूम को सांस लेने में गंभीर तकलीफ होने लगी। स्थिति बिगड़ती देख परिजनों ने तत्परता दिखाई और नवजात को तुरंत शासकीय स्वास्थ्य संस्थान के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में भर्ती कराया। डॉक्टरों के परीक्षण में सामने आया कि शिशु 'रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस' (सांस की गंभीर बीमारी), 'हाइपोथर्मिया' (शरीर का तापमान कम होना) और 'अत्यंत कम वजन' जैसी जानलेवा समस्याओं से जूझ रहा था।

शिशु की नाजुक हालत को देखते हुए सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रतिभा मिश्रा के मार्गदर्शन में एसएनसीयू टीम के नोडल अधिकारी डॉ. जे. के. तिवारी और उनकी विशेषज्ञ मेडिकल टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला। मासूम को बचाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और जीवनरक्षक सेवाओं का सहारा लिया गया। सीपीएपी मशीन के माध्यम से तुरंत ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। संक्रमण से सुरक्षा, तापमान नियंत्रण, आईव्ही फ्लूड, कैल्शियम, कैफीन और विटामिन के जैसी जरूरी दवाएं विशेषज्ञों की चौबीसों घंटे निगरानी में शुरू की गईं। मेडिकल टीम की कड़ी मेहनत और आधुनिक उपचार से शिशु की सेहत में धीरे-धीरे जादुई सुधार देखने को मिला। चार दिन तक ऑक्सीजन सपोर्ट जारी रहा, जिससे स्थिति धीरे-धीरे स्थिर हुई। पांचवें दिन स्थिति में सुधार होने पर सीपीएपी हटाकर नासल ऑक्सीजन दी गई और कंगारू मदर केयर शुरू की गई। सातवें दिन शिशु को पीलिया की शिकायत होने पर तुरंत फोटोथेरेपी उपचार देकर ठीक किया गया। दसवें दिन मासूम ने बिना किसी सपोर्ट के सामान्य हवा में सांस लेना शुरू कर दिया। पन्द्रहवें दिन शिशु इस काबिल हो गया कि उसने माँ का दूध पीना शुरू कर दिया।

अधिवक्ता संघ चुनाव में समसुल हक 'लादेन' की प्रचंड जीत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अधिवक्ता संघ त्यौंथर के वार्षिक चुनाव में कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता समसुल हक 'लादेन' ने भारी मतों से ऐतिहासिक विजय हासिल की। चुनाव परिणाम घोषित होते ही तहसील परिसर में समर्थकों और अधिवक्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया तथा मिठाइयां बांटकर और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया। जीत दर्ज करने के बाद नवनिर्वाचित सदस्य समसुल हक 'लादेन' अपने समर्थकों एवं अधिवक्ताओं के साथ प्रसिद्ध भैरवनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भैरवनाथ के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि तथा अधिवक्ताओं के कल्याण की कामना की।

अपनी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए समसुल हक 'लादेन' ने सभी अधिवक्ता साथियों और मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि अधिवक्ता भाइयों के विश्वास, स्नेह और एकता की जीत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे अधिवक्ता संघ की गरिमा बनाए रखने तथा वकीलों के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कामेश्वर पाठक, विवेक सिंह गहरवार, सुशीलचंद्र शुक्ला, राहुल शुक्ला, जशवंत सिंह, रोहित तिवारी, प्रशांत दुबे, साजिद अली सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल 28 मई को रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा भोपाल से प्रस्थान कर 29 मई को सुबह 8 बजे रीवा आएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में मातृ मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य आयोजित कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे कृष्णाराज कपूर ऑडिटोरियम में जल जीवन मिशन की जिला स्तरीय कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री शाम 5 बजे स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में समर कैंप प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल होंगे।

जनपद पंचायत हनुमना में रोजगार मेला आज

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में युवा संगम कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत हनुमना में 29 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है।

ताम्रकार समाज की नई कमेटी गठित, प्रहलाद बने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हैहय वंशीय क्षत्रिय ताम्रकार समाज की नई कमेटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय चुनाव में रीवा संभाग के नवनिर्वाचित संभागीय प्रभारी प्रहलाद ताम्रकार को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इस उपलब्धि पर रीवा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में समाज के लोगों ने माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत और सम्मान किया। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति एवं जिला अध्यक्ष नंदलाल ताम्रकार की स्वीकृति से सूरज ताम्रकार को रीवा नवयुवक मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनकी नियुक्ति पर समाज के युवाओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज की एकता, संगठन और युवाओं की भागीदारी को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने समाज के सभी वरिष्ठजनों एवं युवाओं का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र ताम्रकार, बृजेंद्र ताम्रकार, नारायण ताम्रकार, रामजस ताम्रकार, रामकृष्ण ताम्रकार, कन्हैया ताम्रकार, उमेश ताम्रकार, करुणेश ताम्रकार, मनीष ताम्रकार, मोहित ताम्रकार एवं शुभम ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

खबर का असर : जवा थाना मामले में एफआईआर दर्ज, थाने के घेराव से बढ़ा जनदबाव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा थाना क्षेत्र में गैस एजेंसी विवाद के बाद युवक के साथ कथित मारपीट और पुलिसिया ज्यादती का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मीडिया ऑडीटर द्वारा खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद आखिरकार पुलिस प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी और मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई। घटना को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। सैकड़ों ग्रामीणों, किसानों और स्थानीय लोगों ने जवा थाने का घेराव कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार ग्राम पथरौड़ा निवासी विपिन सिंह अपनी मां के साथ 27 मई को जवा स्थित गैस एजेंसी गैस लेने पहुंचे थे। उनकी मां महिलाओं की लाइन में खड़ी थीं जबकि विपिन OTP बताने के लिए अंदर गया था। इसी दौरान उसने महिलाओं की कतार में कुछ युवकों के खड़े होने पर आपत्ति जताते हुए वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से व्यवस्था बनाने की बात कही। आरोप है कि पुलिस ने व्यवस्था संभालने के बजाय युवक के साथ अभद्रता शुरू कर दी। पीड़ित के मुताबिक पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए उसे जबरन डायल-112 वाहन में बैठाकर जवा थाने ले जाया गया, जहां एक कमरे में उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। शिकायत पत्र में डायल-112 चालक बृजेश मिश्रा सहित अन्य लोगों पर मारपीट और अपशब्द कहने के आरोप लगाए गए हैं। युवक का कहना है कि मारपीट के कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा, जिसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

मामले के सामने आने के बाद क्षेत्रीय लोगों और किसान संगठनों में भारी नाराजगी फैल गई। राम गरीब बनवासी, नागेंद्र सिंह और किसान नेता एस.के. सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों लोग जवा थाने पहुंचे और प्रदर्शन किया।

अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस पर आंगनवाड़ी केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर रीवा जिले में विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोदाबाग स्थित मुरलीधर कॉलोनी आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया, जिसमें सामाजिक संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं समग्र जन चेतना विकास परिषद की सहभागिता रही।कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी स्वाती श्रीवास्तव, शिक्षिका मनु शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुमित सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, किशोरी बालिकाएं एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। इस दौरान माहवारी स्वच्छता के महत्व, व्यक्तिगत साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां विस्तार से दी गईं। विशेषज्ञों ने किशोरियों को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान किशोरियों एवं महिलाओं को सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। वक्ताओं ने कहा कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे जुड़े मिथकों एवं झिझक को दूर करने की आवश्यकता है। जागरूकता एवं सही जानकारी से महिलाओं और किशोरियों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में किशोरियों को रोल प्ले एवं विभिन्न स्लोगन के माध्यम से जानकारी दी गई। इसके अलावा पंचायत सोनौरा सहित जवा ब्लॉक, त्यौंथर ब्लॉक एवं जिले के कई आंगनवाड़ी केंद्रों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं किशोरियों को स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है। बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है।

इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि सभी किसान बैंकों के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम,पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है। किसान क्रेडिट कार्ड पाँच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद इसकी कार्यशील पूंजी का नवीनीकरण वार्षिक आधार पर किया जाता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण राशि की अधिकतम सीमा फसल के अनुसार निर्धारित रहती है। बैंक द्वारा तीन लाख रुपए तक के केसीसी में कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाता है। किसान जितनी राशि का उपयोग करता है उस पर ही ब्याज देय होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ब्याज की दर सात प्रतिशत निर्धारित है। लेकिन किसान समय पर ऋण राशि अदा कर देता है तो उसे तीन प्रतिशत ब्याज में छूट मिलती है। किसान को केवल चार प्रतिशत ब्याज ही देना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसान अपनी खेती को आधुनिक बना रहे हैं। खेती में निवेश के लिए उन्हें साहूकारों के भी चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।